MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 23 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-262

ट्रम्प की ईरान को धमकी

समझौता करो, वरना तबाह कर देंगे

संयुक्त राष्ट्र (न्यूयार्क), 22 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को एक बार फिर से तबाह करने की धमकी दी है। मंगलवार को यूएन में अपने भाषण में उन्होंने कहा- अमेरिका के पास दो रास्ते हैं- ईरान के साथ समझौता करना या उसे खत्म कर देना।

अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने के बाद से ट्रम्प पिछले 7 महीने में 10 से ज्यादा बार ईरान को तबाह करने की धमकी दे चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें पलटकर बातचीत का रास्ता अपनाना पड़ा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 51 वर्षों से ईरानी शासन ने पूरे पश्चिम एशिया और उससे आगे हिंसा, अराजकता और तबाही फैलाई है। ट्रंप के संबोधन में ईरान का परमाणु कार्यक्रम प्रमुख मुद्दा रहा और उन्होंने कहा कि यदि ईरान के साथ कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका उसके खिलाफ कड़े कदम उठाने के विकल्प पर विचार कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय नीति, क्षेत्रीय विवादों और वैश्विक संस्थाओं को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम, गाजा में शांति समझौते, वेनेजुएला के साथ हुए ऐतिहासिक तेल सौदे और संयुक्त राष्ट्र में किए गए प्रशासनिक सुधारों का प्रमुखता से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ईरानी शासन ने अपने परमाणु कार्यक्रम और आतंकवाद के समर्थन को समाप्त करने के अमेरिकी प्रस्ताव को ठुकराकर बहुत बड़ी गलती की है।

ट्रंप ने स्पष्ट किया कि पद संभालने के पहले दिन से ही उनका संकल्प अडिग रहा है और वे किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। उन्होंने ईरान को आतंकवाद का सबसे बड़ा प्रायोजक करार देते हुए कहा कि वह अब मध्य पूर्व का दादा नहीं रहा। ट्रंप के अनुसार, ईरान पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के जखीरे के पीछे छिपकर तेजी से परमाणु बम बनाने की दिशा में बढ़ रहा था, लेकिन अमेरिका ने उसकी इस कोशिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि ईरान इसमें सफल हो जाता तो यह शासन परमाणु हथियारों के बल पर दुनिया भर में तबाही और मौत फैलाने के लिए स्वतंत्र हो जाता।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार और तनाव घटाने के अपने तरीकों का उल्लेख करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों और व्यापार पर भी सख्त शुल्क लगाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने अपनी व्यापारिक नीतियों का बचाव करते हुए दावा किया कि शुल्क के प्रभावी इस्तेमाल से उन्होंने अब तक दुनिया भर में आठ बड़े युद्धों और सैन्य संघर्षों को रोकने में सफलता पाई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब ईरान से निपटने को लेकर एक बहुत बड़ा निर्णय लेने का समय आ गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ईरान के साथ ऐसा समझौता होगा, जो उसे फिर से खड़ा होने और एक महान देश बनने का मौका देगा, या फिर इस्लामिक रिपब्लिक को पूरी तरह नष्ट कर दिया जाए ताकि वह दोबारा तबाही न मचा सके। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान के साथ समझौता हो सकता है, लेकिन इन चुनावों का उनकी ईरान नीति पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि उनका एकमात्र लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी परमाणु शक्ति न बन सके।

ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के खिलाफ कड़े कदम उठाने या उसके बाद किसी समझौते तक पहुंचने के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमेरिका में नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के तुरंत बाद ईरान के साथ नया समझौता हो सकता है।

गाजा की स्थिति पर बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि उनकी सरकार के प्रयासों से गाजा में चल रहा युद्ध समाप्त हो गया है और सभी जीवित एवं मृत बंधकों को सफलतापूर्वक वापस लाया गया है। यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन रूस और यूक्रेन दोनों देशों के नेताओं के साथ ▶8पर

तुर्किये ने यूएन में फिर उठाया कश्मीर मुद्दा

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाया। मंगलवार को अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया में कश्मीर सहित सभी विवादों का समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संबंधित प्रस्तावों के तहत बातचीत के जरिए होना चाहिए।

एर्दोगन 2019 से हर साल, वर्ष 2024 को छोड़कर, संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का उल्लेख कर चुके हैं। भारत पहले भी उनकी ऐसी टिप्पणियों को खारिज करता रहा है।

एर्दोगन ने फिलिस्तीन के पक्ष में भी भाषण दिया और गाजा में इजराइल की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। उनके भाषण के दौरान इजराइल के प्रतिनिधि संयुक्त राष्ट्र महासभा हॉल से बाहर चले गए।

अमेरिकी चैनलों ने ट्रंप की लाइव कवरेज रोकी

अमेरिका के प्रमुख टेलीविजन चैनलों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यक्रमों की साझा लाइव वीडियो कवरेज रोक दी है। यह घटनाक्रम व्हाइट हाउस द्वारा सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद सामने आया। टेलीविजन प्रेस पूल में शामिल प्रमुख नेटवर्क राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की वीडियो उपलब्ध कराते थे, जिसे अन्य समाचार संस्थान भी इस्तेमाल करते थे।

फॉक्स न्यूज के वॉशिंगटन ब्यूरो प्रमुख ब्रायन बॉटन ने सोमवार को बताया कि अब इस व्यवस्था के तहत आने वाले राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की साझा वीडियो कवरेज नहीं की जाएगी।

इसके बाद व्हाइट हाउस ने अपनी ऑनलाइन वीडियो फीड शुरू की, जिसका नाम 'ट्रंप टीवी' रखा गया है। इसमें ट्रंप के पुराने वीडियो, सरकार की घोषणाएं और ताजा अपडेट दिखाए जाएंगे। लोग व्हाइट हाउस के लाइव कार्यक्रम भी फोन और इंटरनेट से जुड़े अन्य उपकरणों पर देख सकेंगे। सोमवार को व्हाइट हाउस में नए हेलिपैड का उद्घाटन हुआ। आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों की वीडियो कवरेज टेलीविजन नेटवर्क करते हैं, लेकिन साझा कवरेज रोक दिए जाने के कारण इस बार व्हाइट हाउस ने खुद कार्यक्रम का वीडियो जारी किया।

अमेरिकी अखबार 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने भी सोमवार को व्हाइट हाउस के फोटो पूल से मिली तस्वीरें प्रकाशित और साझा नहीं करने का फैसला किया। अखबार ने कहा कि वह उन मीडिया संस्थानों के समर्थन में ऐसा कर रहा है, जिनके पत्रकारों को व्हाइट हाउस से बाहर किया गया है।

हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स ने ट्रंप की न्यूयॉर्क यात्रा की कवरेज जारी रखने की बात कही। अखबार के मुताबिक, सरकार के कामकाज पर स्वतंत्र मीडिया की नजर रहना जरूरी है।

पुणे से एक थप्पड़ की गूंज, बॉम्बे हाई कोर्ट तक पहुंची

मुंबई सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर रोक

मुंबई/पुणे, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र, खासकर पुणे, अपने भव्य और पारंपरिक गणेशोत्सव के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां गणेशोत्सव श्रद्धा, सांस्कृतिक परंपरा और सार्वजनिक उत्सव का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि इस वर्ष उत्सव के बीच ध्वनि प्रदूषण को लेकर विवाद सड़कों से निकलकर अदालत तक पहुंच गया है। पुणे में ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता विद्यानंद बापट पर लाइव साक्षात्कार के दौरान हमला किए जाने के बाद यह मुद्दा और गरमा गया।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने गणेशोत्सव और अन्य धार्मिक उत्सवों के दौरान होने वाले ध्वनि एवं वायु प्रदूषण का स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार और प्रशासन से मौजूदा नियमों के पालन तथा कार्रवाई की जानकारी मांगी। न्यायमूर्ति गिरीश एस. कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला के. गोखले की पीठ ने कहा कि त्योहार मनाए जाने चाहिए, लेकिन कुछ लोगों की लापरवाही के कारण आम नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

22 सितंबर की सुनवाई में अदालत ने मुंबई की सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाने और जुलूसों में ध्वनि स्तर नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। अदालत ने यह भी कहा कि जिन आयोजनों और जुलूसों को पुलिस से अनुमति मिली है, वहां संबंधित अनुमति को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

अदालत ने आयोजकों से भारी सुरक्षा जमा राशि लेने का सुझाव भी दिया, ताकि नियमों का उल्लंघन होने पर उसे जब्त किया जा सके। पीठ ने टिप्पणी की कि गणेश मंडलों के पास धन की कमी नहीं है और सुरक्षा जमा राशि उल्लंघन के खिलाफ निरोधक का काम कर सकती है।

अदालत ने कहा कि जुलूसों के दौरान ध्वनि स्तर की निगरानी की जानी चाहिए और निर्धारित सीमा से अधिक शोर होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि जब नियम पहले से मौजूद हैं तो उनके प्रभावी क्रियान्वयन में लगातार कमी क्यों दिखाई देती है। पीठ ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी धर्म या त्योहार का विरोध करना नहीं है। अदालत के अनुसार उत्सव मनाने का अधिकार अपनी जगह है, लेकिन उसे कानून और आम नागरिकों के स्वास्थ्य एवं अधिकारों की कीमत पर नहीं मनाया जा सकता। सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र की वारकरी परंपरा का भी संदर्भ सामने आया। अदालत ने कहा कि बड़ी संख्या में वारकरी ताल-मृदंग के साथ भजन करते हुए यात्रा करते हैं, लेकिन धार्मिक उत्सव और ध्वनि प्रदूषण के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

अदालत की टिप्पणी का मूल जोर इस बात पर रहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को नागरिकों के लिए स्वास्थ्य संबंधी समस्या या सार्वजनिक असुविधा का कारण नहीं बनने दिया जाना चाहिए।

ध्वनि प्रदूषण को लेकर चल रहा विवाद उस समय और गंभीर हो गया जब पुणे में सामाजिक कार्यकर्ता विद्यानंद बापट पर लाइव टेलीविजन ▶8पर

कार्तिक -ममूटी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता अनंत नाग को फाल्के पुरस्कार

एकता नगर (गुजरात),22 सितंबर (एजेंसियां)

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में कार्तिक आर्यन को चंदू चैंपियन और ममूटी को 'ब्रह्मयुगम' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, यामी गौतम को आर्टिकल 370 के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया। पुरस्कार समारोह गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में मंगलवार को आयोजित किया गया। पुरस्कार विजेताओं की घोषणा 18 जुलाई को की गई थी।

श्रीकांत को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म और आर्टिकल 370 को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। तमिल अभिनेता धनुष को दो अलग-अलग श्रेणियों में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए वर्ष 2024 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने कन्नड़, तेलुगु और हिंदी सहित 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वह चाहेंगी कि प्रत्येक निर्णायक मंडल में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि फिल्म कलाकार बहुत लोकप्रिय होते हैं और उनमें देशवासियों, विशेषकर युवाओं को प्रभावित करने की क्षमता होती है।

राष्ट्रपति ने कहा, मैं अनुरोध करना चाहूंगी कि लोकप्रिय कलाकार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पदार्थों का प्रचार न करें। सितारा वही है, जो रोशनी फैलाए, अंधेरा नहीं।

सम्मान मिलने के बाद अनंत नाग ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर दर्शकों ने उनकी प्रस्तुतियां देखी हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने बचपन के 12 वर्ष आश्रम में बिताए। इसके बाद उन्हें मुंबई भेजा गया, जहां उन्हें चैतन्य महाप्रभु नाटक में अभिनय करने का अवसर मिला। अनंत नाग ने कहा कि उस समय करियर क्या होता है, इसकी किसी को जानकारी नहीं थी। ▶8पर

यूपीआई : एमडीआर शुल्क से पेट्रोल पंप डीलर परेशान

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को लेकर पेट्रोल पंप संचालकों में चिंता बढ़ गई है। सरकार द्वारा पहले से निर्धारित सीमित लाभ में कमी आने की आशंका के चलते पेट्रोल पंप डीलरों ने ईंधन आउटलेट्स को इस नए प्रावधान से बाहर रखने की मांग की है।

डीलरों का कहना है कि वे पूर्व के अनुभवों को देखते हुए यह भी नहीं चाहते कि प्रस्तावित शुल्क का भुगतान पेट्रोलियम कंपनियों पर डाला जाए। दिल्ली में करीब 400 और देशभर में लगभग एक लाख पेट्रोल पंप हैं। इनमें से कुछ स्थानों पर यूपीआई के बजाय नकद भुगतान को प्राथमिकता देने के मामले भी सामने आ रहे हैं। ▶8पर

धार्मिक कारणों से वंदे मातरम् न गाने पर आपराधिक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)

वंदे मातरम् से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि धार्मिक कारणों या अंतरात्मा की स्वतंत्रता के आधार पर राष्ट्रगीत नहीं गाने वाले व्यक्ति को आपराधिक कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए। अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अभी इस मुद्दे पर अंतिम फैसला नहीं सुनाया है और यह जांचने पर सहमति जताई है कि वंदे मातरम न गाने को दंडनीय अपराध बनाया जा सकता है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने यह तय करने से इनकार किया कि वंदे मातरम का आधिकारिक गायन केवल दो अंतरों तक सीमित रहेगा या सभी छह अंतरों तक होगा। अदालत ने संकेत दिया कि उसकी सुनवाई का मुख्य केंद्र इस बात पर रहेगा कि धार्मिक या अंतरात्मा संबंधी आपत्ति रखने वाले व्यक्ति को आपराधिक दंड दिया जा सकता है या नहीं।

यह सुनवाई कर्नाटक संगीतकार टी.एम. कृष्णा की याचिका पर हुई। कृष्णा ने 2026 में किए गए उस कानूनी संशोधन को चुनौती दी है, जिसके तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान के समान वैधानिक संरक्षण दिया गया है। याचिका में दावा किया गया है कि गीत के अंतिम चार अंतरों में हिंदू देवी-देवताओं का उल्लेख है और इन्हें गाना अनिवार्य करना संविधान के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप तथा धार्मिक स्वतंत्रता से संबंधित अधिकारों के विपरीत है।वंदे मातरम को कानून के दायरे में लाने वाला राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 29 जुलाई को राज्यसभा और 30 जुलाई को लोकसभा से पारित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद यह कानून बन गया। इस संशोधन के तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान के समान वैधानिक संरक्षण दिया गया है। संशोधित कानून के तहत राष्ट्रीय गीत के गायन को जानबूझकर रोकना या उसके गायन में लगे किसी समूह में बाधा डालना अपराध है। इसके लिए तीन वर्ष तक की जेल, ▶8पर

टेक्सास में 90 फीट ऊंचे हनुमान पर घमासान, प्रतिमा से चर्च को तकलीफ

ह्यूस्टन

अमेरिका के टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन के पास शुगर लैंड स्थित श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर परिसर में स्थापित 90 फीट ऊंची भगवान हनुमान की विशाल प्रतिमा इन दिनों सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि अमेरिकी समाज में प्रवासी पहचान, धार्मिक स्वतंत्रता और बढ़ती राजनीतिक बहस का एक बड़ा मुद्दा बन गई है।

मंदिर की वेबसाइट के अनुसार, इस भव्य संरचना को स्टेट आफ यूनियन यानी एकता की प्रतिमा का नाम दिया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य शक्ति, भक्ति और एकता के संदेश को प्रसारित करना है।

अगस्त 2024 में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान स्थापित यह प्रतिमा स्थानीय हिंदू समुदाय के लिए अमेरिका में उनकी सांस्कृतिक उपस्थिति और समृद्ध विरासत का एक गौरवशाली प्रतीक है। हालांकि, इस विशालकाय मूर्ति के स्थापित होने के बाद से ही स्थानीय चर्च समूहों और कुछ रूढ़िवादी संगठनों की ओर से इस पर धार्मिक आपत्तियां दर्ज कराई जाने लगीं, जिससे यह विवाद धीरे-धीरे मंदिर की चारदीवारी से बाहर निकलकर सोशल मीडिया और अमेरिकी राजनीतिक मंचों तक पहुंच गया।

इस विवाद को तब और हवा मिली जब कुछ समय पहले एक रूढ़िवादी कार्यकर्ता ने इस प्रतिमा का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसे अमेरिका में भारतीय प्रवासियों के बढ़ते प्रभाव और सांस्कृतिक विस्तार से जोड़कर तीखी टिप्पणियां कीं, जिसके बाद से ही अमेरिकी समाज में विभिन्न संस्कृतियों के सार्वजनिक प्रदर्शन को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है।

विरोध करने वाले समूहों का तर्क है कि इस तरह के बड़े धार्मिक प्रतीक स्थानीय परिवेश और सांस्कृति को प्रभावित करते हैं, जबकि हिंदू-अमेरिकी समुदाय ने इन आपत्तियों को खारिज करते हुए दो टूक कहा है कि अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देश में हर समुदाय को अपनी धार्मिक पहचान का खुलकर पालन करने की पूरी स्वतंत्रता है।

मंदिर से जुड़े लोगों और समर्थकों का स्पष्ट मानना है कि इस प्रतिमा का उद्देश्य किसी की पहचान बदलना या अमेरिका में किसी अन्य देश की संस्कृति थोपना बिल्कुल नहीं है, बल्कि यह टेक्सास में रहने वाले लाखों हिंदू-अमेरिकियों की गहरी आस्था, उम्मीद और सांस्कृतिक जुड़ाव का एक शांत व पवित्र प्रतीक मात्र है। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि अमेरिका में हिंदू संस्कृति और भगवान हनुमान की उपस्थिति कोई नई बात नहीं है, क्योंकि इससे पहले भी कैलिफोर्निया, न्यू मेक्सिको और टेक्सास के ही फ्रिस्को समेत कई अन्य जगहों पर हनुमान मंदिर और आध्यात्मिक केंद्र सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।

अमेरिका की बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक पृष्ठभूमि में विभिन्न समुदायों द्वारा अपने पारंपरिक प्रतीकों को स्थापित करना वहां के संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों के अंतर्गत आता है।

बहरहाल, टेक्सास की यह 90 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा इस समय अमेरिका में प्रवासियों के अधिकारों, सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक प्रतीकों की स्वीकार्यता और सांस्कृतिक सहिष्णुता की एक नई बहस के केंद्र में आ गई है, और स्थानीय प्रशासन इस स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में शुक्रवार से रविवार तक भारी बारिश का अलर्ट, 42 जिलों में बाढ़-भूस्खलन का खतरा

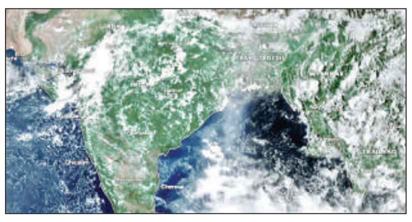

काठमांडू। नेपाल के मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को विशेष मौसम बुलेटिन में आगामी शुक्रवार से रविवार तक देश के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक और बिजली के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने कुछ इलाकों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। विभाग के अनुसार शुक्रवार से रविवार तक गंडकी और लुंबिनी प्रदेश में मौसम का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। इन दोनों प्रदेशों में कई स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने मधेश प्रदेश को छोड़कर छह प्रदेशों के 42 जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का जोखिम अधिक बताया गया है। मौसम विभाग ने गंडकी प्रदेश के सभी 11 जिलों को आरेंज अलर्ट में रखा है। लुंबिनी प्रदेश के 12 जिलों में से रोल्पा, बांके और बर्दिया को छोड़कर बाकी सभी जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा मधेश, कोशी, बागमती और सुदूरपश्चिम प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश, जबकि कर्णाली प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने 35 अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों में बारिश की संभावना है और लोगों को मौसम संबंधी सूचनाओं पर नजर रखते हुए नियमित रूप से अपडेट रहने की सलाह दी गई है।

नेपाल-मलेशिया श्रमिक मुद्दे पर पीएम शाह और अनवर इब्राहिम के बीच टेलीफोन संवाद

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने मंगलवार सुबह मलेशिया के अपने समकक्ष अनवर इब्राहिम के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। वार्ता में नेपाल और मलेशिया के बीच वैदेशिक रोजगार को सम्मानजनक, पारदर्शी और शोषणमुक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रधानमंत्री शाह ने मलेशिया के रोजगार क्षेत्र में मौजूद सिंडिकेट और बिचौलिया व्यवस्था को लेकर अपनी और अपनी सरकार की असहमति स्पष्ट रूप से मलेशियाई प्रधानमंत्री के सामने रखी। उन्होंने कहा कि ऐसी अव्यावहारिक और अन्यायपूर्ण प्रवृत्तियां स्वीकार्य नहीं हैं और इनके स्थायी समाधान के लिए दोनों देशों को संयुक्त पहल करनी चाहिए। प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि हमें सिंडिकेट और बिचौलिया तंत्र पसंद नहीं है और यह किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। इससे श्रमिक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने मलेशियाई प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे अपने श्रम मंत्री को नेपाल के श्रम मंत्री के साथ सीधे बातचीत करने और इस समस्या को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दें। प्रधानमंत्री शाह के इस रुख को सकारात्मक रूप से लेते हुए मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भी कहा कि वह सिंडिकेट और बिचौलिया व्यवस्था के खिलाफ हैं। उन्होंने इस मामले में अपने श्रम मंत्री को तत्काल नेपाल के श्रम मंत्री के साथ समन्वय कर आगे बढ़ने का निर्देश देने की प्रतिबद्धता जताई। इब्राहिम ने कहा, मैं भी ऐसी गलत और शोषणकारी व्यवस्था के पूरी तरह खिलाफ हूं।

अमेरिकी वित्त सचिव स्काट बेसेंट का दावा, ईरान की सभी एयरलाइंस बुधवार से बंद कर दी जाएंगी

न्यूयार्क। अमेरिकी वित्त सचिव स्काट बेसेंट ने दावा किया है कि 23 सितंबर से ईरान की सभी एयरलाइंस बंद कर दी जाएंगी। बेसेंट ने कहा, हम ऐसा कैसे करेंगे अगर वे कहीं उतरती हैं, तो आप उन्हें फ्यूल नहीं दे सकते। आप उन्हें लैंडिंग सर्विस नहीं दे सकते, आप उन्हें टिकट नहीं बेच सकते, वरना आपको डालर सिस्टम से बाहर कर दिया जाएगा। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, बेसेंट ने यह दावा उनके स्क्वाक बाक्स प्रोग्राम में किया। वित्त सचिव ने कहा कि वाशिंगटन ईरान पर पहले से कहीं ज्यादा दबाव डाल रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में ईरान की मदद करने वालों को उनके बैंकों पर प्रतिबंध लगाकर रोक रहा है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रालय ने पिछले हफ्ते रूस के सरकारी वीटीबी बैंक पर नए प्रतिबंधों की घोषणा इसी आशय से की। यह ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिश का हिस्सा ही था। इस घटनाक्रम के बीच खबर यह है कि ब्रिटेन ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी अरब का समर्थन करेगा। रायल एयर फोर्स सऊदी विमानों को हवा में ही फ्यूल भरने (एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग) की सुविधा देगी। प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने पत्रकारों को बताया कि यह व्यवस्था कुछ हफ्तों के लिए होगी और इसकी समीक्षा लगातार होगी। यह कदम तब उठाया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सप्ताहांत में विद्रोहियों के खिलाफ मदद के लिए रियाद के अनुरोध को ठुकरा दिया था।

पाकिस्तान में पीटीआई के 27 सितंबर के मार्च से डरी सरकार, इस्लामाबाद को बदला जा रहा है छावनी में

इस्लामाबाद

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की 27 सितंबर को इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन की घोषणा से संघीय सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। संघीय राजधानी को अभेद्य दुर्ग में बदला जा रहा है। संघीय सरकार ने स्थानीय अधिकारियों की मदद के लिए सिंध और पंजाब से हजारों अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को इस्लामाबाद में तैनात करने का निर्णय लिया है। पीटीआई ने जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई की मांग की है।

द न्यूज की रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सिंध से लगभग 1,950 पुलिस अधिकारी और कर्मी मंगलवार रात तक इस्लामाबाद पहुंच सकते हैं। पंजाब भी 19,000 पुलिसकर्मी और अधिकारी उपलब्ध कराएगा और यह दल अगले दो दिनों में राजधानी पहुंच सकता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि संघीय सरकार ने 23,000 पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के लिए पंजाब से मदद मांगी थी। सूत्रों ने यह भी कहा कि सिंध, पंजाब और फ्रंटियर कार्प्स के कर्मियों के ठहरने की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) ने भी प्रस्तावित मार्च के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। कहा गया है कि सार्वजनिक सड़कों और अन्य सुविधाओं में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस्लामाबाद पुलिस ने एमएनए आदिल बजई को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे राजधानी में हिरासत में लिए गए पीटीआई सांसदों की संख्या छह हो गई है।

हिरासत में लिए गए सांसदों में सीनेटर सैफुल्ला नियाज़ी, एमएनए सनाउल्लाह मस्ती खेल, मियां अहसान जमाल, दावर कुंडी, गौस मुहम्मद और आदिल बजई शामिल हैं। उन्हें मेंटेनेंस आफ पब्लिक आर्डर (एमपीओ) अध्यादेश की धारा 3 के तहत हिरासत में लिया गया है और झेलम जेल भेज दिया गया है।

इस बीच, विरोध प्रदर्शन के दौरान आवाजाही को रोकने की तैयारियों के तहत इस्लामाबाद में अलग-अलग स्थानों पर रात भर कंटेनरों की लंबी कतारों को वेल्डिंग के जरिए जोड़ा जा रहा है। अधिकारियों ने 27 सितंबर के मार्च से पहले राजधानी में मुख्य प्रवेश और निकास बिंदुओं और प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए बड़ी संख्या में कंटेनरों की व्यवस्था की है।

पीटीआई ने कहा है कि मार्च होकर रहेगा। इमरान की पार्टी ने विरोध प्रदर्शन को अपना लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार बताया है। सोमवार को पेशावर में पीटीआई चेयरमैन बैरिस्टर गोहर अली खान ने कहा कि पार्टी संघीय स्तर पर संबंधित लोगों के संपर्क में है और हालिया गिरफ्तारियों को लेकर चिंतित है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कदमों से स्थिति और बिगड़ सकती है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने भी लान्ग मार्च के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि पीटीआई अपनी योजना के मुताबिक लोगों को एकजुट करने का काम जारी रखेगी।

इमरान के परिवार के सदस्यों की हिरासत ने तनाव और बढ़ा दिया है। उनकी बहन अलीमा खान की हिरासत के बाद उनकी अन्य बहनों नूरीन नियाजी और उजमा खान को भी हिरासत में ले लिया गया और 30 दिनों के लिए कोट लखपत जेल भेज दिया गया। अलीमा की हिरासत को चुनौती देने वाली एक याचिका लाहौर हाई कोर्ट में दायर की गई है।

गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने कहा है कि सरकार विरोध प्रदर्शनों के कारण होने वाली अव्यवस्था को दोबारा होने से रोकने के लिए एक स्थायी रणनीति अपनाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि विरोध प्रदर्शनों के कारण इस्लामाबाद को 10 से 20 दिनों तक बंद नहीं रहने दिया जाएगा और कहा कि अगर पीटीआई मार्च करती है तो सरकार इस्लामाबाद हाई कोर्ट के आदेशों को लागू करेगी।

इन कदमों का मकसद कानून-व्यवस्था बनाए रखना और रोजमर्रा की जिंदगी में बाधा को रोकना है। उधर, पीटीआई ने अपने नियोजित विरोध प्रदर्शन से पहले गिरफ्तारियों और अन्य प्रतिबंधों की आलोचना की है।

सीनेट में विपक्ष के नेता अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक संकट से निकलने का एकमात्र व्यावहारिक रास्ता बातचीत है। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से राजनीतिक नेताओं की एक समिति बनाने और सरकार तथा विपक्ष की बातचीत करने वाली टीमों को एक साथ बैठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि किसी भी बातचीत में ऐसे अधिकार-संपन्न प्रतिनिधि शामिल होने चाहिए जिनके पास फैसले लेने की शक्ति हो।

तहरीक-ए-तहफुज-ए-आइन-ए-पाकिस्तान (टीटीएपी) ने भी अलीमा खान की गिरफ्तारी की निंदा की और कहा कि इमरान को गलत तरीके से जेल में डाला गया है और अब उनके परिवार की महिलाओं को राजनीतिक बदले की भावना से निशाना बनाया जा रहा है। टीटीएपी ने सांसदों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की गिरफ्तारियों के साथ-साथ कंटेनरों से हाइवे को ब्लाक करने की भी निंदा की। उसने कहा कि शांतिपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों के जवाब में ऐसे कदमों से राजनीतिक माहौल और ज्यादा खराब होगा।

श्रीलंका के अंपारा में मानव-हाथी टकराव रोकने के लिए अहम फैसला

कोलंबो

श्रीलंका सरकार ने अंपारा जिले में बढ़ते मानव-हाथी टकराव से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें ज्यादा जोखिम वाले इलाकों में 14 नई हाथी नियंत्रण इकाइयां बनाना शामिल है। यह फैसले 20 सितंबर को पर्यावरण मंत्री डा. डम्मिका पताबेंडी की अध्यक्षता में हुई अंपारा जिला मानव-हाथी टकराव प्रबंधन समिति की विशेष बैठक में लिए गए। 14 हाथी नियंत्रण इकाइयों को स्थापित करने का शुरुआती चरण पहले ही शुरू हो चुका है।

द मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, पर्यावरण मंत्री डा. डम्मिका पताबेंडी ने अधिकारियों को इनके काम को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

बैठक में कचरे से ऊर्जा बनाने वाली परियोजना शुरू करने पर भी चर्चा हुई। यह अड्डलाईचेनाई कचरा डंप से जुड़ी पर्यावरणीय समस्याओं का एक दीर्घकालिक समाधान हो सकता है, क्योंकि यह डंप जंगली हाथियों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

बैठक में मानव और भौतिक संसाधनों को बढ़ाकर जमीनी कामकाज को मजबूत करने पर भी ध्यान दिया गया। इसके तहत, वन्यजीव संरक्षण विभाग की मदद के लिए सिविल सुरक्षा विभाग के 1,463 कर्मियों और मल्टी-पर्पज डेवलपमेंट टास्क फोर्स के 552 अधिकारियों को तैनात किया गया है।

वन्यजीव विभाग को 38 मोटरसाइकिलें और दो डबल-कैब वाहन भी मिले हैं। अगले दो हफ्तों में वन्यजीव कार्यालयों को नौ और सिंगल-कैब वाहन दिए जाने की योजना है।

समिति ने गांव स्तर की समितियां बनाने का भी फैसला किया, जो इस टकराव के प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी को मजबूत करने के लिए हर महीने बैठक करेंगी। ये समितियां इलेक्ट्रिक फेंसिंग (बिजली के बाड़) और हाल ही में लगाए गए स्प्रिंग गेट्स के रखरखाव में मदद करेंगी। साथ ही, वन क्षेत्रों में मवेशियों के अनधिकृत प्रवेश को रोकने और संरक्षित क्षेत्रों से पहले से मौजूद ऐसे मवेशियों के झुंड को हटाने के लिए कानूनी और प्रशासनिक कदम भी उठाए जाएंगे।

न्यूयार्क में नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने पोलैंड के विदेशमंत्री से की मुलाकात

काठमांडू। नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने न्यूयार्क में पोलैंड के उप प्रधानमंत्री एवं विदेशमंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ मुलाकात की। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान हुई इस द्विपक्षीय बैठक में नेपाल और पोलैंड के बीच संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ते संबंधों को और मजबूत करने के उपायों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र सहित बहुपक्षीय मंचों पर नेपाल और पोलैंड के बीच सहयोग को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

नेपाल में बाढ़ से रसुवागढ़ी-केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित, हिल्सा बना मानसरोवर यात्रा का वैकल्पिक मार्ग

काठमांडू

नेपाल का उत्तरी सीमा नाका हिल्सा (हुम्ला) इन दिनों एक बार फिर चर्चा में है। बाढ़ के कारण रसुवागढ़ी-केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित होने के बाद मानसरोवर-कैलाश यात्रा पर गए भारतीय पर्यटकों के लिए हिल्सा वैकल्पिक मार्ग बन गया है। इसके चलते हिल्सा का महत्व तेजी से बढ़ा है।

भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ के कारण केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित होने के बाद तिब्बत पहुंच चुके 150 से अधिक भारतीय पर्यटक हिल्सा के रास्ते नेपाल लौटे। पर्यटक हिल्सा से सिमकोट पहुंचे और वहां से हवाई मार्ग से नेपालगंज होते हुए अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

पर्यटन व्यवसायियों का कहना है कि इस घटनाक्रम ने हिल्सा को केवल आपातकालीन वैकल्पिक मार्ग ही नहीं, बल्कि भविष्य में मानसरोवर-कैलाश यात्रा के नियमित प्रवेश और आवागमन के ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करने की संभावना भी दिखाई है।

पर्यटन एवं होटल व्यवसायी नोर्बु लामा ने कहा कि हिल्सा के जरिए हाल में हुए पर्यटकों के आवागमन को दीर्घकालीन पर्यटन योजना से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भोटेकोशी में बाढ़ के कारण रसुवागढ़ी-केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित होने से मानसरोवर-कैलाश यात्रा प्रभावित हुई, लेकिन इसी बाधा के कारण हिल्सा वैकल्पिक अंतरराष्ट्रीय और पर्यटन मार्ग के रूप में सामने आया है। उनके अनुसार यदि हिल्सा नाके को व्यवस्थित किया जाए तो पर्यटकों की आवाजाही के साथ-साथ स्थानीय व्यापार, होटल, परिवहन, गाइड, ट्रेकिंग और रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं।

हुम्ला के प्रमुख जिला अधिकारी भोलानाथ गुरागाईं ने बताया कि भोटेकोशी में आई बाढ़ के बाद केरुंग की ओर यातायात प्रभावित होने से तिब्बत पहुंच चुके, लेकिन केरुंग के रास्ते नेपाल नहीं लौट पाने वाले पर्यटकों के लिए हिल्सा वैकल्पिक मार्ग बन गया है। उन्होंने कहा कि यदि हिल्सा में सड़क और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था बेहतर की जाए, तो यह एक प्रभावी वैकल्पिक मार्ग बन सकता है।

उनके अनुसार हिल्सा नाके को व्यवस्थित और सुगम बनाने से पर्यटकों की आवाजाही के साथ-साथ सरकार के राजस्व में भी वृद्धि हो सकती है। रसुवागढ़ी और तातोपानी नाकों पर बाधा आने के बाद कुछ पर्यटकों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी है, जबकि कुछ पर्यटकों को ट्रैवल एजेंसियों ने वैकल्पिक मार्ग से मानसरोवर भेजा। कैलाश मानसरोवर टूर आपरेटर्स नेपाल के महासचिव प्रदीप पंडित के अनुसार काठमांडू-ल्हासा उड़ान का एकतरफा किराया ही करीब एक लाख नेपाली रुपये पड़ता है, जिससे यह मार्ग महंगा हो जाता है।

यूएन महासभा की सालाना बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका पहुंचे ईरानी विदेश मंत्री

अराघची बैठक में कई देशों के विदेश मंत्रियों से बातचीत और विचार-विमर्श करेंगे

न्यूयार्क

संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक के 81वें सत्र में भाग लेने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची एक राजनयिक प्रतिनिधिमंडल के साथ सोमवार दोपहर न्यूयार्क पहुंचे। ईरान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना शिखर सम्मेलन में अराघची ईरान का पक्ष रखेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने एक्स पर यह जानकारी साझा की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाघेई ने पोस्ट में लिखा- ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची राजनयिक प्रतिनिधिमंडल के साथ न्यूयार्क पहुंचे। वह वहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र की बैठकों और चर्चाओं में हिस्सा लेंगे। न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय है। महासभा के अलग-अलग एजेंडे और बैठकों में हिस्सा लेने के साथ-साथ ईरानी विदेश मंत्री ईरान का रुख भी सामने रखेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा वह इस सम्मेलन में आए कई देशों के अधिकारियों और विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत और विचार-विमर्श भी करेंगे। बाघेई ने कहा कि यूएन महासभा का 81वां सालाना सत्र मंगलवार से राष्ट्राध्यक्षों के भाषणों के साथ शुरू होगा। इस बार इसका संदेश रीबिल्डिंग ट्रस्ट यानी भरोसा फिर से कायम करना है। इससे पहले सोमवार को ही अमेरिका ने ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन की टीम को वीजा देने से इनकार कर दिया था। अमेरिका ने ईरानी डेलिगेशन को संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए आने की मंजूरी तो दे दी है, लेकिन पिछले साल की तरह ही कुछ पाबंदियां भी लगाई हैं। जैसे ईरानी डेलिगेशन को लग्जरी सामान या अन्य चीजें खरीदने की इजाजत नहीं होगी। ईरान की मीडिया ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक के 81वें सत्र में शामिल हो रहे राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की कम्युनिकेशन टीम को अमेरिका ने वीजा देने से इनकार कर दिया है।

कैलिफोर्निया में जंगल की आग बुझा रहा हेलीकाप्टर क्रैश, दो पायलटों की मौत

सैक्रामेंटो। अमेरिका के कैलिफोर्निया में योसेमाइट नेशनल पार्क में लगी जंगल की आग को बुझाने में मदद कर रहा हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हादसा रविवार को कैलिफोर्निया के मैरिपोसा काउंटी में हुआ। हेलीकाप्टर में दो लोग सवार थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड हादसे की जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आग से निपटने की जिम्मेदारी संभाल रही कैलिफोर्निया काम्प्लेक्स इंसिडेंट मैनेजमेंट टीम के प्रवक्ता के मुताबिक एक कान्ट्रैक्ट हेलीकाप्टर से आग बुझाने का काम किया जा रहा था। हादसे के समय पानी से भरी बाल्टी की मदद से आग पर पानी गिराया जा रहा था। इसी दौरान हेलीकाप्टर योसेमाइट में लेक आस्ट्रैंडर के दक्षिण-पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अलास्का डिवीजन आफ फारेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन ने मारे गए पायलटों में से एक की पहचान ग्रेग किंग के रूप में की। दूसरे पायलट की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। एजेंसी ने कहा कि उनके परिवार को जानकारी दिए जाने के बाद ही उनका नाम जारी किया जाएगा। बता दें इससे पहले इसी महीने अमेरिका के फ्लोरिडा में मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक अमेजन कार्गो विमान रनवे से आगे निकलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा। तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन–देन से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह–नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जाने का आयोजन हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार–धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। धन व्यय की अधिकता रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। सेहत को लेकर सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने की भी आशंका रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की आसंका रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और खानपान का ध्यान रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। परिजन–मित्रों के साथ किसी यात्रा या पिकनिक पर जा सकते हैं। सेहत भी बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 सितंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 10:52 तक
नक्षत्र : श्रवण प्रातः 09:09 तक
योग : सुकर्मा सायं 04:26 तक
करण : बव प्रातः 10:23 तक
चन्द्रराशि : मकर रात्रि 09:57 तक
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:11 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:15 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56 ,सूर्यास्त 06:03 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वामन जयंती, श्याम बाबा की बारस, पंचक आरंभ रात्रि 09:57 से

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

रामनगर में टी.आर.टी. ग्रुप द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में आयोजित विशेष सामूहिक आरती में भाग लेती हुईं हिंदू शेरनी काजल हिंदुस्तानी, भाग्यलक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी शशिकला, जसमत पटेल, जिग्नेश दोशी, मुकेश चौहान, रिद्धीश जागी, डॉ. अरुणा ज्योति एवं भाग्यनगर गणेश उत्सव महिला समिति की सदस्यगण।

आबिड्स मुबारक बाजार स्थित रतन मॉल कॉम्प्लेक्स में स्थापित रतन मॉल गणेश उत्सव समिति के तत्वावधान में गणेश पूजा के पश्चात महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन किया गया। इसमें 800 से अधिक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर रतन हरि, श्रीमती मेघरानी अग्रवाल, उमेश सिंघानिया, रितेश मोदी, नितेश अग्रवाल, पवन मिश्रा, अनिल बजाज, आकाश अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, वैभव शर्मा, दीपक सोनी, रेड्डी अन्ना, शंकर अन्ना, सोनाली वर्मा, पंकज वर्मा, मुरली, रमेश, विकेश गडले, राजेश कुमार, कृष्ण अन्ना एवं अन्य उपस्थित रहे।

सरकारी सचेतक विजयरमना राव ने मंगलवार को पेद्दापल्ली केंद्र में स्थापित कई विनायक मंडलों का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान गणेश की विशेष पूजा–अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

अत्तापुर स्थित लक्ष्मी राम हरण में अपने परिवार के साथ गणेश पूजा–अर्चना करते हुए बीआरएस नेता पवन कुमार अग्रवाल। इस अवसर पर ज्योति अग्रवाल, मोहित अग्रवाल एवं सिमरन अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

चेन्नूर में मारवाड़ी प्रगति समाज के तत्वावधान में श्री गणेश नवरात्रि के अवसर पर स्थानीय माहेश्वरी भवन में गणेश प्रतिमा स्थापित कर प्रतिदिन सुबह–शाम विधि–विधान से पूजा–अर्चना की जा रही है। इस दौरान मारवाड़ी महिला मंडल की सदस्याएँ बड़ी संख्या में शामिल होकर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ पूजा में भाग ले रही हैं। सोमवार को रामदेव बाबा दशमी के अवसर पर समाज के सदस्यों की ओर से विशेष भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें महिलाएँ, पुरुष, युवक एवं युवतियाँ बड़ी संख्या में शामिल हुए और भजनों के माध्यम से भक्तिमय वातावरण बनाया।

सेवा और समर्पण की भावना में राधे–राधे ग्रुप की अलग पहचान : अजय गुप्ता

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में वॉटर टैंक के समीप नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अजय गुप्ता ने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना जिस प्रकार राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के प्रत्येक सदस्य में दिखाई देती है, वह अपने आप में विशेष है। उन्होंने कहा कि ग्रुप द्वारा नियमित रूप से जरूरतमंदों के लिए अन्नदान करना केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण है।

अजय गुप्ता ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप सेवा को किसी एक दिन या अवसर तक सीमित नहीं रखता, बल्कि निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में मानव सेवा का संदेश पहुंचा रहा है। निस्वार्थ भाव से किए जा रहे अन्नदान से जरूरतमंद लोगों को सहारा मिलता है और समाज के अन्य लोगों को भी सेवा कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब उसमें किसी प्रकार के दिखावे की भावना न होकर केवल मानव कल्याण का उद्देश्य हो।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप का मूल भाव सेवा, समर्पण और सहयोग है और इसी भावना के साथ ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से विभिन्न स्थानों पर सेवा कार्यों में सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है और जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सबसे बड़ी संतुष्टि है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मुंडडा, अजय गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया।

खैरताबाद श्री महागणपति उत्सव के अवसर पर टीएनजीओस यूनियन केंद्रीय संघ के अध्यक्ष श्री मारम जगदीश्वर और मुख्य महासचिव डॉ. एस.एम. हुसैनी मुजीब के नेतृत्व में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने खैरताबाद महागणपति के दर्शन किए और विशेष पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर एसोसिएशन के एसोसिएट अध्यक्ष श्री वेंकटेश, उपाध्यक्ष श्री नरसिम्हा रेड्डी, सचिव श्रीमती शैलजा, केंद्रीय संघ के नेता श्री चंदू, हैदराबाद सिटी के अध्यक्ष श्री श्रीकांत, हैदराबाद एसोसिएट अध्यक्ष एवं स्कूल शिक्षा विभाग तेलंगाना सेंट्रल फोरम के अध्यक्ष श्री के.आर. राजकुमार, हैदराबाद के उपाध्यक्ष श्री बोलिगिद्दा शंकर सहित अन्य नेताओं ने भगवान गणपति के दर्शन किए।

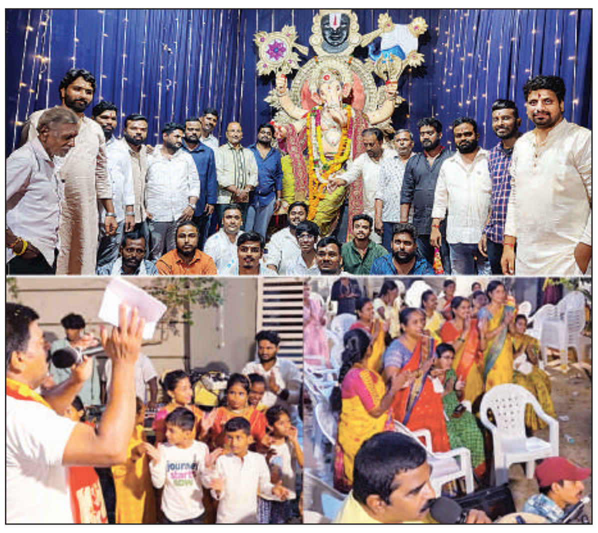

अत्तापुर श्री बाल गणेश मित्र मंडली के तत्वावधान में ओमकार भजन मंडली द्वारा गणेश मंडपम में भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भक्तों ने भक्ति गीतों एवं भजनों के साथ आध्यात्मिक वातावरण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर नंद किशोर, लक्ष्मीकांत अचारी, नवीन, भरत, अशोक, महेश, पवन, धनराज, युवराज, अभिषेक, राहुल, शिवा, उदय, किशोर, साई एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्टेलार रेसिडेंसी, नारायणगुडा में गणेश पूजन करती महिला मंडल की सदस्याएँ।

श्री राम नगर कॉलोनी स्थित मंडल केंद्र, मदनूर में गणेश मंडली के तत्वावधान में कुमकुमा अर्चना एवं दैनिक महाप्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुरोहित जंगम शिवा के मंत्रोच्चार के साथ आयोजित कुमकुमा अर्चना में 25 महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं ने भगवान गणेश से अच्छी वर्षा, अच्छी फसल, सुख–समृद्धि एवं सभी के उत्तम स्वास्थ्य के साथ बच्चों को पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने की प्रार्थना की।

गणेश नवरात्रि के अवसर पर चूड़ी बाजार में स्थापित गणेश मंडप में आज विशेष पूजा–अर्चना एवं अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चंद्र मोहन मंसिंह, सुनील साहू, गोपी यादव, पवन एवं अन्य श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

राजस्थान भवन में मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में निजामाबाद थ्री टाउन के एसआई हरि बाबू ने पधारकर भगवान गणेश के दर्शन किए तथा पूजा–अर्चना एवं आरती में भाग लिया। इस अवसर पर संयोजक सतीश व्यास, श्याम तिवारी एवं सुनील मुंडेल ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में राजस्थानी सेवा समाज के मंत्री प्रवीण व्यास, श्याम तिवारी, जुगल किशोर पांडे एवं पवन मुंदड़ा उपस्थित रहे।

मां पार्वती के जल से गणेश का अभिषेक

बुधवार को अच्छी बारिश की कामना को लेकर हजारों महिला-पुरुष पार्वती नदी का जल लेकर चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान का जल से अभिषेक किया। उसके बाद विधि विधान से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। ज्ञात हो कि हर वर्ष अषाढ के माह में ग्राम पार्वती लोग पार्पती नदी में से जल भरकर व झंडा लेकर हजारों की तादात में पैदल जत्थे के रूप में सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं।

इस दौरान रास्ते में पडने वाले दर्जनों गांव के लोग उनका स्वागत कर उनके साथ जत्थे में शामिल हो जाते हैं। यह जत्था पार्वती से शुरू होता है, जिसमें पिपलिया नगर, बाबडिया, खजूरी, मूंडला, कराडिया, बक्तल, जगनीखेडी, बिजोरा, बिजोरी, नयापुरा, पीलीखेडी, कोडिया, महोडिया सहित दर्जनों ग्राम के लोग शामिल होते हुए चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। जहां पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का अयोजन किया जाता है।

यह परम्परा कई वर्षों से चली आ रही है, जिसमें सभी ग्रामीण बडे सद्भाव और सोहाद्र के साथ हिस्सा लेते हैं, जिसमें बच्चे-बूढे, महिला-पुरुष सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, 'तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उडा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुडाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता हनुमान विनम्रता से कहते हैं, 'क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। ''राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं। हनुमान जी को सिंदूर क्यों रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है। माता जानकी ने हनुमान की इस भोली उत्सुकता पर कहा, 'पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढाया जाने लगा।

रामकथा सुनते हैं हनुमान माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है। हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

बुद्धि प्राप्त करने के कुछ आसान उपाय

जब हम किसी पर आस्था और विश्वास रखते हैं, तब पकृति भी उन मनोकामनाओं को पूरा करने में उसी राह पर चलने लगती है। ज्योतिष शास्त्र में ऐसी कई विधियां बताई गई हैं यदि आप इन पर पूरी आस्था के साथ विश्वास रखते हैं तो यह जरूर पूरी होती हैं। बुद्धि की इच्छा हम सभी की चाह होती है। विद्यार्थी देवी सरस्वती और भगवान गणेश से बुद्धि का वर मांगते हैं। और वो उन्हें देते हैं। लेकिन ज्योतिष में बुद्धि प्राप्त करने के कुछ आसान उपाय बताए गए हैं। जिन्हें पूरी श्रद्धा से आजमाकर आप भी बुद्धिमान बन सकते हैं प्रात: दैनिक कार्यों से निवृत होकर पूजा स्थान में जाएं और एक माला गायत्री मंत्र 'ऊं भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात' का रोज जप करें। पूजा स्थल में जाकर रामचरित मानस की इस पंक्ति को 108 बार जपें 'गुरु गृह गये पठन रघुराई, अल्पकाल विद्या सब आई'। गुरुवार के दिन देवी सरस्वती की मूर्ति या चित्र के सामने या फिर अपने अध्ययन कक्ष में रोज 'ऊं मां सरस्वती विद्या देवी नमो नम:' का स्मरण करें। गुरुवार के दिन गरीब बच्चे को पुस्तक, कॉपी, पैंसिल आदि दान करें। काली मिर्च, सोंठ, इलायची और चीनी मिलाकर पीसकर चूर्ण बनाएं और इसे घी में मिलाकर गोलियां बनाएं और प्रतिदिन दो गोली रात्रि को सोते समय दूध के साथ लें। स्मरण शक्ति के साथ एकाग्रता भी बढेगी।

राम नाम से ही दूर होते कष्ट

चैत्र की नवमी तिथि भगवान श्री राम के जन्म की तिथि है। 'नवमी तिथि मुधमास पुनीता/ शुक्ल पक्ष अभिजीत हरि प्रीता अर्थात नवमी तिथि को अभिजीत नक्षत्र में भगवान का अवतरण हुआ था। त्रेतायुग में भगवान विष्णु ने श्रीराम के रूप में अवतरित होकर राक्षसी प्रवृत्तियों का संहार किया था। अपने चरित्र और मर्यादा पालन के कारण श्री राम इस संसार के लिए अनुकरणीय हैं। उन्होंने ब्रहम होकर भी कभी नहीं कहा कि वे ब्रहम हैं। उन्होंने संसार के सामने आदर्श चरित्र का उदाहरण प्रस्तुत किया और इसलिए वे युगों का पथ प्रदर्शन कर रहे हैं।

श्रीराम की स्तुति हमारे अमंगल का हरण करने वाली और मंगल करने वाली है। श्री राम के नाम की महत्ता के विषय में शास्त्रों में एक कथा आती है कि एक बार भगवान शिव कैलाश पर्वत पर ध्यान मग्न बैठे थे। उन्हें इस तरह बैठा मां पार्वती ने पूछा- प्रभु, सारा संसार तो आपका ध्यान करता है फिर आप किसके ध्यान में बैठे हैं। तब शिव बोले- मैं राम का स्मरण कर रहा हूं, जिनका नाम ही परम सुखदायक है। वर्णन आता है कि उन्होंने मां पार्वती से कहा- 'श्री राम राम रामेति रमे रामे मनोरमै/ सहस्त्रनामा तत्तुल्यं राम नाम वराननै। अर्थात हे पार्वती श्रीराम को जपने से ही सारे कष्ट दूर हो जाते हैं।

अभिजीत नक्षत्र में प्रभु राम की अवतरण को सभी जगह उल्लास के साथ मनाया जाता है। विद्वान मानते हैं कि दोपहर 11.45 से 12 तक अभिजीत नक्षत्र रहता है और इसी समय रामनवमी पर प्रभु के प्राकट्य का उत्सव मनाना श्रेयस्कर है। श्रीराम के स्मरण मात्र से ही सभी तरह के क्लेश का नाश हो जाता है। राम रक्षा स्त्रोत का पाठ असहाय स्थिति में हमारी रक्षा करता है। यह सभी तरह के संकटों से हमें उबारता है।

सुखी जीवन का मूलमंत्र

जापान के सम्राट यामातो का एक राज्यमंत्री था। जिसका नाम था 'ओ-चो-सान'। उसका परिवार सौहार्द के लिए बडा प्रसिद्ध था। हालांकि उसके परिवार में लगभग एक हजार सदस्य थे, पर उनके बीच एकता का अटूट संबंध था। सभी सदस्य साथ-साथ रहते और साथ-साथ ही खान खाते थे। फिर उनमें द्वेष कलह की बात ही कहां ओ-चो-सान के परिवार के सौहार्द की बात यामातो के कानों तक पहुंची। सत्यता की जांच करने के लिए एक दिन वे स्वयं वृद्ध मंत्री के घर तक आ पहुंचें।

भारतीय संस्कृति में यह व्रत बन चुका है आदर्श नारीत्व का प्रतीक

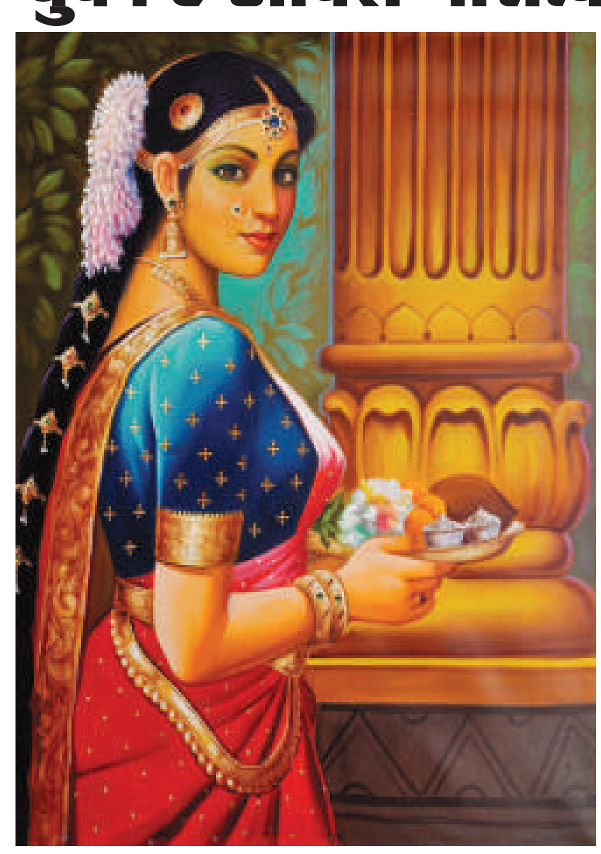

मूलत: यह व्रत सौभाग्यवती स्त्रियों का है, फिर भी सभी प्रकार की स्त्रियां (कुमारी, विवाहित, विधवा आदि) इस व्रत को करती हैं। इस व्रत को करने का विधान त्रयोदशी से पूर्णिमा या अमावस्या तक है। इस दिन वट (बड, बरगद) का पूजन होता है। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगल कामना से करती हैं। वट सावित्री व्रत सौभाग्य को देने वाला और संतान की प्राप्ति में सहायता देने वाला व्रत माना गया है।

भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। इस व्रत की तिथि को लेकर भिन्न मत हैं। स्कंद पुराण तथा भविष्योत्तर पुराण के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को यह व्रत करने का विधान है, वहीं निर्णयामृत आदि के अनुसार ज्येष्ठ मास की अमावस्या को व्रत करने की बात कही गई है।

व्रत का विधान

प्रात: काल स्नान आदि से निवृत होकर बांस की टोकरी में रेत भर कर ब्रहमाजी की मूर्ति की स्थापना करें। ब्रहमाजी के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें। इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान की मूर्तियों को स्थापना करके टोकरियों को वट वृक्ष के नीचे ले जाकर रखना चाहिए। व्रहमाजी और सावित्री के पूजन के पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बरगद की जड में पानी देना चाहिए। पूजा के लिए जल, कलावा(रक्षासूत्र), रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप होने चाहिए। जल से वटवृक्ष को सींच कर उसके तने के चारों और कच्चा धागा लपेट कर तीन बार परिक्रमा करें। अब भीगे हुए बायना निकाल कर, नगद रुपए रख कर सासुजी के चरण स्पर्श करें। यदि सास दूर हो तो बायना वहां भेज देना चाहिए। पूजा के बाद गरीबों, भूखों और ब्रहमणों को दान दें।

इसीलिए कहते हैं तुलसी को विष्णु-प्रिया

कार्तिक शुक्ल की एकादशी को तुलसी पूजन का विधान है। इस वर्ष यह पर्व 3 नवंबर को है। तुलसी पूजन का पर्व पूरे उत्तर भारत में हर्षोल्लास से मनाया जाता है। तुलसी को विष्णु-प्रिया के नाम से भी जाना जाता है। तुलसी का पौधा भारतीयों के लिए गंगा-यमुना के समान पवित्र है।

व्रत की कथा

प्राचीन काल में जालंधर नाम का दैत्य था। उसने सारे संसार में उत्पात मचा रखा था। दैत्य की वीरता का रहस्य था उसकी पत्नी वृंदा का पतिव्रत धर्म। कहा जाता है कि उसी के प्रभाव से वह विजेता बनता था। दैत्य के उत्पातों से परेशान होकर ऋर्षि-मुनि भगवान विष्णु के पास पहुंचे। भगवान विष्णु ने काफी सोच विचार कर वृंदा का पतिव्रत धर्म भंग करने का निश्चय किया। उन्होंने योगमाया द्वारा एक मृत शरीर वृंदा के घर के बाहर फिकवा दिया। माया का पर्दा होने से वृंदा को अपने पति का शव दिखाई दिया। अपने पति को मृत जानकर वह उस मृत शरीर पर गिरकर विलाप करने लगी। उसी समय एक साधु उसके पास आए और कहने लगे बेटी इतना विलाप मत करो। मैं इस मृत शरीर में जान डाल देता हूं। साधु ने मृत शरीर में जान डाल दी। भावों में बहकर वृंदा ने उस शरीर का आलिंगन कर लिया। बाद में वृंदा को पता चला कि यह तो भगवान का छल-कपट है जबकि उसका पति देवताओं से युद्ध कर रहा था और वृंदा का सतीत्व नष्ट होते ही वह देवताओं द्वारा मारा गया। इस बात का जब वृंदा को पता चला तो उसने भगवान विष्णु को श्राप दिया कि, जिस प्रकार आपने छल से मुझे पति वियोग दिया है।

उसी तरह आपको भी स्त्री वियोग सहने के लिए मृत्युलोक में जन्म देना होगा। यह कहकर वृंदा अपने पति की अर्थी के साथ सती हो गई। विष्णु अब अपने छल पर बडे लज्जित हुए। माता पार्वती ने वृंदा की चिता-भस्म में आंवला, मालती व तुलसी के पौधे लगाए। भगवान विष्णु ने तुलसी को ही वृंदा का रूप समझा।

इस घटना के बाद त्रैतायुग में भगवान विष्णु ने भगवान राम के रूप में अवतार लिया और सीता के वियोग में कुछ दिनों तक रहना पडा।

परिस्थितियां बदलती हैं हमेशा

एक बार भगवान बुद्ध कहीं जा रहे थे। वह पैदल यात्रा कर रहे थे, इस कारण थक कर एक पेड के नीचे बैठ गए। उनके साथ उनके अन्य शिष्यों के साथ आनंद भी मौजूद थे। भगवान बुद्ध ने कहा, 'आनंद यहां नजदीक एक झरना है, वहां से जल ले आओ।' आनंद झरने के पास पहुंचा, लेकिन वहां गंदा पानी बह रहा था। उन्होंने पानी भरना ठीक नहीं समझा। वह थोडा देर रुके और पानी साफहो गया। उन्होंने साफपानी कमंडल में भरा। और बुद्ध के पास चल दिए। उन्होंने सारा घटनाक्रम तथागत को सुनाया। तब बुद्ध ने कहा, 'आनंद प्रकृति को देखो, परिस्थिति को नहीं। परिस्थिति बदल जाती है, लेकिन प्रकृति स्थिर रहती है। जैसा कि तुमने देखा किस तरह झरने का गंदा जल थोडी देर बाद स्वच्छ हो गया।'

संक्षेप म ेंमनुष्य की भी यही स्थिति है। झरने के पानी की तरह मनुष्य भी बदलता है। मनुष्य हमेशा अपने स्वभाव के अनुरूप वहीं नहीं रहता बल्कि वह बदलता है। यही सनातन नियम है।

जैन धर्म की व्यापकता और दर्शन का श्रेय भगवान महावीर को

लगभग 2500 वर्ष पहले अहिंसा और सहिष्णुता की शिक्षा देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांत और आदर्श वर्तमान संदर्भों में और सभी के लिए प्रासंगिक हैं। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रहमचर्य और अस्तेय आदि अनेक उपदेशों को अपनाकर आज भी रामराज्य की स्थापना की जा सकती है। वर्धमान महावीर का जन्मदिन महावीर जयंती के रुप में मनाया जाता है। वर्धमान महावीर जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान आदिनाथ की परंपरा में चौबीस वें तीर्थंकर हुए थे और उनका जीवन काल 511 से 527 ईस्वी ईसा पूर्व तक माना जाता है। उनका जन्म बिहार के कुंडलपुर में हुआ था। महावीर के पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी त्रिसला था। उनका जन्म हिन्दू कैलेंडर के चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को हुआ था। पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया था। भगवान महावीर कठोर तप से अपनी इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामन माना गया और इस वजह से उन्हें महावीर कहा गया तथा उनके अनुयायी जैन कहलाए।

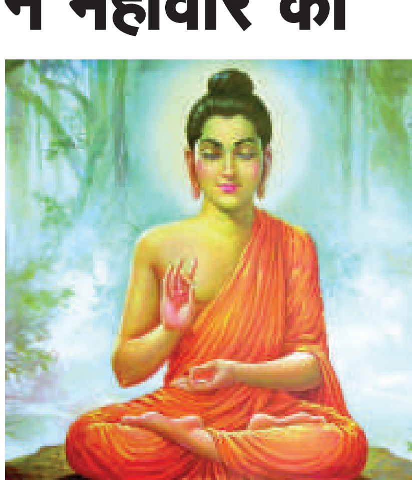

जैन धर्म ग्रंथों में उल्लेख है कि महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थायी आधार दिया। उन्होंने श्रद्धा एवं विश्वास के जरिए जैन धर्म की पुन: प्रतिष्ठा की । इसीलिए आधुनिक काल में जैन धर्म की व्यापकता और उसके दर्शन का श्रेय महावीर स्वामी को दिया जाता है। महावीर स्वामी को अर्हत, जिन, निग्रर्थ, अतिवीर आदि नामों से भी जाना जाता है। उन्होंने लोगों को जिओ और जीने दो के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने घोर तपस्या से अपनी इंद्रियों पर विजय हासिल की ली थी। इस पर्व को तप से जीवन पर विजय प्राप्त करने का पर्व भी कहा जाता है। भगवान महावीर के समय में समाज व धर्म में अनेक विषमताएं थी। ऐसे में उन्होंने आडंबरों से घिरे धर्म और अत्याचार से पीडित समाज को नवजीवन दिया। उन्होंने कुरीतियों एवं अंधविश्वासों को दूर करने के साथ धर्म की वास्तविकता को स्थापित कर सत्य एवं अहिंसा पर बल दिया। भगवान महावीर के सिद्धांतों में अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह, आत्म स्वातंर्त्य शामिल है।

उपदेशों से समाज कल्याण महावीर जी ने अपने उपदेशों द्वारा समाज का कल्याण किया। उनकी शिक्षाओं में मुख्य बातें थी कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो। इसके अतिरिक्त उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति, तथा छ: आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया। जो जैन धर्म के प्रमुख आधार हुए उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।

वैवाहिक सुख शांति के लिए 6 वास्तु टिप्स

अगर आपकी वैवाहिक जिंदगी अच्छी तरह से नहीं चल रही है तो इसका सीधा प्रभाव आपके प्रोफेशन पर आता है। वैवाहिक जीवन में सुख शांति के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं। यह उपाय आपने शयन कक्ष और आपके बेड पर आजमा सकते हैं।

हमेशा दक्षिण-पश्चिम या दक्षिण बेडरूम में ही शयन करें। शयन कक्ष प्रकाश और आंखों को प्रिय लगने वाले रंगों से पेंट किया हो। बिस्तर पर एक गदे का प्रयोग करें। लकडी पलंग वास्तु शास्त्र के अनुसार शुभ माना गया है। शयन का पलंग चौकोर या आयताकार होना चाहिए। आप बेडरूम में ताजा फूल रख सकते हैं।

2017-18 को छोड 2080 तक 15 को ही संक्रांति

उज्जैन के पंचांग विशेषज्ञों के अनुसार मकर संक्रांति करीब 100 साल बाद इस बार 15 जनवरी को मनाई जा रही है। वजह यह है कि पृथ्वी हर साल 50 विकला (यानी 20 मिनट) पीछे रह जाती है। 65 से 100 साल के बीच यह अंतर 24 घंटे का हो जाता है। यही वजह है कि अब 2080 तक संक्रांति 15 जनवरी को ही मनाई जाएगी।

लीप ईयर के कारण दो साल क्रम बदलेगा और 2017-18 को संक्रांति फिर 14 जनवरी को होगी, क्योंकि साल के दिन घटने से सूर्य पुरानी स्थिति में आ जाएगा। दिन बडे क्यों गणना के अनुसार संक्रांति के दिन से सूर्य उत्तरायण होते हैं, इस कारण दिन बडे होने लगते हैं। हालांकि वैज्ञानिक तर्क है कि 21 दिसंबर से दिन बडा और रात छोटी होने लगती है।

पौराणिक मान्यता महाभारत युद्ध में घायल भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण होने के बाद शरीर त्यागा था। मान्यता है कि उत्तरायण में देह त्यागने वाली आत्मा कुछ काल के लिए देवलोक चली जाती है या उसे जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है।

गंगा का अवतरण संक्रांति के दिन ही गंगा नदी का अवतरण धरती पर हुआ। इसलिए इस दिन को पावन माना जाता है। इसका संबंध ऋतु परिवर्तन से भी है। संक्रांति से तापमान बढने लगता है। आहार विशेषज्ञों के मुताबिक तिल-गुड में कैल्शियम और आयरन होता है जो पाचन तंत्र को मजबूत करने के साथ स्टेमिना भी बढाता है। धार्मिक महत्व तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के पसीने से मानी जाती है, जबकि गुड खाने से शनि प्रसन्न होते हैं। इस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर का स्वामी शनि है। तिल-गुड खाने से सूर्य नारायण व शनि की खुशी प्राप्त होती है।

संक्रांति के मुहूर्त

विशेष पुण्यकाल: सूर्योदय (7.10) से सुबह 11.27 बजे तक।

सामान्य पुण्यकाल: सूर्योदय (7.10) से सूर्यास्त (शाम 6.00) तक।

बच्चों के झूठ बोलने का कारण कही पेरेंट्स तो नहीं

झूठ बोलने की आदत बच्चों में ही नहीं बल्कि बड़ों को भी होती हैं। झूठ बोलना तो मानो आजकल का ट्रैंड बन चुका है। ज्यादातर लोग छोटी-छोटी बात को छिपाने के लिए झूठ का सहारा ले लेते है। बच्चों अक्सर अपने पेरेंट्स से झूठ बोलते है लेकिन शायद उनकी इस आदत के पीछे कहीं न कहीं पेरेंट्स ही जिम्मेदार है। पेरेंट्स अक्सर बच्चों पर ऐसा दवाब बनाने लगते है जिससे डरकर बच्चों को झूठ बोलना पड़ जाता है। आइए जानते है कुछ ऐसे ही कारण, जिस वजह से बच्चों झूठ का सहारा लेते है।

अधिक रोका-टोकी

माना कि बच्चो नादान होते है। जल्द ही किसी के झांसे में आ जाते है लेकिन पेरेंट्स अक्सर उनपर जरूरत से ज्यादा रोक-टोक लगाने लग जाते है। इस वजह से बच्चे अक्सर पेरेंट्स से बातें छिपाने लगते है और झूठ बोलना शुरू कर देते है।

पेरेंट्स की लड़ाई

बहुत से मां-बाप है जो बात-बात पर बच्चों के सामने लड़ाई- झगड़े करने लगते है। जब बच्चे अपने पेरेंट्स को झगड़ा करते देखते है तो उनके मन में अलग तरह का डर बैठ जाता है। ऐसे में बच्चों को लगता है कि अगर मैने घर में सच बताया तो शायद मुझे भी डांट पड़ जाएगी, जिस वजह से बच्चे झूठ बोलने लगते है।

हर बात पर शक

अधिकतर पेरेंट्स अपने बच्चे की हर बात को लेकर शक करने लगते है। अगर बच्चा सच भी बोल रहा होता है तो उसे शक की नजरों से देखना शुरू कर देते है। ऐसे में बच्चों को लगता है कि अगर पेरेंट्स हर बात को लेकर शक कर देते है तो बेहतर है कि उनको झूठ ही बोल दिया जाएं।

विश्वास की कमी

रिश्ते में विश्वास काफी मायने रखता है लेकिन बहुत से पेरेंट्स को अपने बच्चे पर विश्वास नहीं होता है। अगर बच्चा सच्चा भी होता है तो भी उसको गलत बताने लगते है। इसी वजह से बच्चे अक्सर पेरेंट्स से झूठ बोलना शुरू कर देते है।

पढ़ाई का दबाव

पेरेंट्स अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर कुछ ज्यादा ही सोचने लगता है। इसी चक्कर में मां-बाप अपने बच्चों पर पढ़ाई का दवाब ज्यादा ही डालने लगते है। ऐसा में बच्चों के अपने पढाई को लेकर अक्सर पेरेंट्स से छोटे-छोटे झूठ बोलने लगता है।

बाईपास सर्जरी से बचाएंगी औषधियां और व्यायाम

आज के समय में हृदय रोग आम होते जा रहे हैं। इसके पीछे अव्यवस्थित जीनशैली, खान-पान की खराब आदतें व कई अन्य कारण हैं। इसके अवाला वात पित्त कफ आदि दोष घट व बढ़कर रक्त में स्थित रक्त कणों के अतिरिक्त जो कुछ हैं, को दूषित कर के हृदय में जाकर रूकावट पैदा करते हैं। मतलब कि हृदय को रक्त प्रदान करने में बाधा डालते हैं और फिर गंभीर हृदय रोग का कारण बनते हैं।

जिसके चलते बाईपास सर्जरी भी आम बात होती जा रही हैं। लेकिन स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम व स्वस्थ खान-पान से इस प्रकार की स्थिति से बचा जा सकता है। इसके अलावा 3 ऐसी आयुर्वेदिक औषधियां हैं जिनसे बाईपास सर्जरी की नौबत से बचाव होता है। चलिये विस्तार से जानें कौंन सी हैं ये 3 आयुर्वेदिक औषधियां।

शल्य क्रिया से बचाव के लिए 3 औषधियां प्रमुख हैं और वे हैं शिलाजीत, अर्जुन और बला। इनका सेवन कम से कम एक वर्ष करने से अच्छा परिणाम मिलता है।

शिलाजीत

भारतीय जड़ी-बूटियों में शिलाजीत का एक महत्वपूर्ण स्थान है। आयुर्वेद में शिलाजीत की बहुत प्रशंसा की गई है और इसकी गुणवत्ता को प्रतिष्ठित किया है। इसीलिये अधिकांश आयुर्वेदिक नुस्खों में शिलाजीत का प्रयोग किया जाता है। इसकी कमाल की बात यह है कि यह सिर्फ रोग ग्रस्त लोगों का रोग दूर करने के लिए ही, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी उपयोगी होती है। विशेषकर मधुमेह, धातु क्षीणता, बहुमूत्र, स्वप्नदोष, सब प्रकार के प्रमेह, नपुंसकता, शरीर की निर्बलता, वृद्धावस्था की निर्बलता आदि व्याधियों को दूर करने के लिए शिलाजीत गुणकारी होती है।

अर्जुन

अर्जुन का मुख्य उपयोग हृदय रोग के उपचार में किया जाता है। इसे हृदय रोग की महाऔषधि भी माना जाता है। इसके अलावा इसका उपयोग रक्तपित्त, प्रमेह, मूत्राघात, रक्तातिसार तथा क्षय और खांसी आदि के उपचार में भी लाभप्रद होता है।

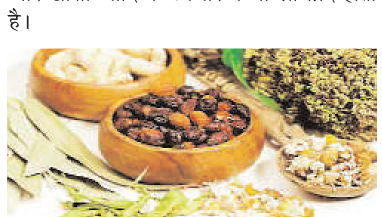

बला

बला जिसे खिरैटी के नाम से भी जाना जाता है, जो जड़ी-बूटी वाजीकारक एवं पौष्टिक गुण के साथ ही अन्य गुण एवं प्रभाव भी रखती है। मसलन यह यौन दौर्बल्य, धातु क्षीणता, नपुंसकता तथा शारीरिक दुर्बलता दूर करने के अलावा अन्य व्याधियों को भी दूर करने की अच्छी क्षमता रखती है। लेकिन उपरोक्त में से किसी भी औषधी का सेवन करने से पले अपने डॉक्टर से एक बार सलाह जरूर ले लें। वह आपके स्वास्थ्य से बेहतर ढंग से वाकिफ होता है, और जानता है कि आप किन औषधियों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर के लिए फायदेमंद है नमक वाला पानी

नमक, इसका इस्तेमाल तो रसोई में खाना बनाने के लिए किया जाता है। यह खाने का स्वाद और बढ़ा देता है। स्वाद के साथ अगर देखा जाए तो नमक प्राकृतिक रूप से एक औषधि भी है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होता है। अगर रोज सुबह नमक वाले पानी का सेवन किया जाए तो ऐसे में शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे मिलते हैं। क्योंकि नमक में ऐसे कई तत्व मौजूद होते हैं।जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं।

वजन घटाएं: नमक वाला पानी पाचन को दुरुस्त करके शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे कि मोटापे को कंट्रोल में किया जा सकता है।

त्वचा: नमक में मौजूद क्रोमियम और सल्फर होता है जो एक्ने से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा यह त्वचा को कोमल और साफ बनाएं रखता है।

डिटॉक्स: प्राकृतिक रूप अगर देखा जाए तो नमक बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है। इसलिए रोजाना सुबह उठकर नमक वाले पानी का सेवन करें।

हड्डियां मजबूत: नमक वाले पानी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करके हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

एंटीबैक्टिरियल: नमक में खनिज भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो एंटीबैक्टिरियल का काम करते हैं और शरीर को तंदरूस्त बनाने में मदद करते हैं।

कई बीमारियों से दूर रखती है अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल मसाले के रूप में हर रसोई में किया जाता है। दादी-नानी के नुस्खे में पेट दर्द होने पर अजवाइन की फक्की मार लेने की सलाह दी जाती है। यह खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है साथ ही सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करती है। इसका चूर्ण बनाकर खाने से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती है।

इसके लाजवाब फायदों के बारे में

अपच: खाना खाने के बाद भारीपन होने पर 1 चम्मच अजवाइन को चुटकी भर अदरक के पाउडर के साथ खाने से फायदा मिलता है।

गुर्दे की पथरी: गुर्दे की पथरी के इलाज के लिए अजवाइन बहुत लाभकारी है। अजवाइन, शहद और सिरका का लगातार 15 दिनों तक सेवन करने से फायदा मिलता है।

अस्थमा: अस्थमा के इल ाज के लिए भी अजवाइन बहुत फायदेमंद मानी जाती है। रोजाना दिन में 2 बार अजवाइन के साथ गुड का सेवन करने से लाभ मिलता है।

पेट दर्द: पेट दर्द से परेशान हैं तो अजवाइन और नमक का सेवन गुनगुने पानी के साथ करें।

पीरियड्स: पीरियड्स में होने वाली दर्द से छुटकारा पाने के लिए अजवाइन का पानी बहुत लाभदायक है।

गठिया: गठिया यानि जोड़ों का दर्द। गठिए के रोगी को रोजाना अजवाइन के तेल के साथ जोड़ों की मालिश करनी चाहिए। इससे आराम मिलेगा।

मिनटों में दूर होंगा होंठो का कालापन, अपनाएं ये नैचुरल टिप्स

चेहरे का सबसे खूबसूरत अंग होंठ है। इनकी खूबसूरती में बाधा डालने का काम करता है कालापन। होंठों का कालापन दूर कररने के लिए लड़कियां अक्सर लिपस्टिक, लिपबाम, मॉइश्चराइजर और न जाने कौन-कौन से ट्रीटमेंट का सहारा लेती है। अगर आप भी होंठों का कालापन दूर करने की हर कोशिश कर चुके है तो हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे जिनके मदद से आप अपने होंठों के नैचुरली गुलाबी बना सकते है।

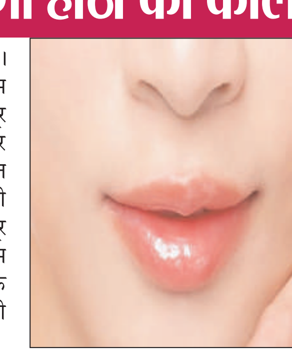

गुलाब की पंखुडियां : गुलाब की पंखुड़ियां के नियमित इस्तेमाल से होंठों का रंग हल्का गुलाबी और चमकदार होता है। गुलाब की पंखुडियां रातभर दूध में भिगोकर रखें और सुबह इसे पीसकर होंठों पर लगाएं। थोड़ी देर बाद धो दें।

दही और एलोवेरा : अगर आप अपने होंठो को नैचुरली गुलाबी और मुलायम बनाना चाहती है तो दही और एलोवेरा के पेस्ट इस्तेमाल करे। इससे काफी फायदा मिलेगा।

नींबू और शहद : होठों का कालापन दूर करने के लिए 1 चम्मच शहद और 1/2 चम्मच नींबू का रस मिला लें। फिर दोनों को अच्छी तरह मिलाकर होंठों पर लगाएं। इससे होंठ नैचुरली गुलाबी होंगे।

रोज 10 चेरी खाएं और इन 5 बीमारियों को दूर भगाएं

चेरी एक खट्टा-मीठा फल है जो लाल, काले और पीले रंगों में मिलती है। चेरी को खाना बहुत से लोग पसंद करते है। जहां यह स्वाद में काफी अच्छी होती है, वहीं इसमें जरूरी पोषक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, बी और सी, बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम, फॉस्फोरस मौजूद होते है। यह तत्व शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉब्लम को दूर करने में मदद करते है। अगर रोज 10 चेरी खाई जाए तो आप कई बीमारियों से बच सकते है। आइए जानते है कैसे।

गठिया : चेरी में एन्थोसियानिन तत्व होता है जो गठिया रोगी के लिए काफी फायदेमंद होता है। गठिया में यूरिक एसिड अधिक मात्रा में बनता है और हाथ-पैर सूज जाते है। चेरी में मौजूद एन्थोसियानिन गठिया के रोग से जल्द छुटकारा दिलाते है। दिन में जरूर 10 खट्टी चेरी का सेवन करें।

हृदय रोग : चेरी में पोटैशियम, लोहा, जस्ता, मैगनीज जैसे खनिज लवण होते हैं जो हृदय रोग को रोकने में अधिक सक्षम होते हैं। इसलिए अगर आप हृदय रोग से बचे रहना चाहते है तो चेरी को अपनी रूटिन का हिस्सा बना लें।

कैंसर : चेरी में मौजूज एंटीआक्सीडेंट्स शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति देते है। इसके अलावा चेरी में फिनॉनिक एसिड और फ्लेवोनॉयड भी होता है जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के ऊतकों को बढ़ने से रोकते है।

रक्तचाप : चेरी में पोटैशियम की मात्रा होती है जो शरीर में स्थित सोडियम की मात्रा कम कर देता है। इस वजह से शरीर का रक्तचाप स्तर सामान्य हो जाता है। इसी के साथ कोलेस्ट्रोल का स्तर भी कंट्रोल में रहता है।

हड्डियां मजबूत : बहुत से लोगों को हड्डियां संबंधी कई प्रॉब्लम का सामना करना पड़ता है। इसलिए नियमित चेरी का सेवन करें क्योंकि चेरी को खाने से हड्डियों में मजबूत होती हैं।

रोजाना 1 सेब खाओ बीमारी दूर भगाओ

सेब में पौष्टिक तत्व बहुत अधिक मात्रा में होते हैं। मिनरल और विटामिन से भरपूर सेब में फाइबर भी बहुत अधिक मात्रा में होता है और कोलेस्ट्रॉल बिलकुल भी नहीं होता। सेब को हमें सुबह के समय खाना चाहिए। जी हां सेब यदि खाली पेट खाया जाये तो आपके शरीर के टॉक्सिक (गंदगी) आसानी से बाहर निकल जाते है। एनर्जी भी अधिक मिलेगी और वजन कम होने के साथ-साथ स्फूर्ति भी रहेगी।साथ ही पेट को साफ रखने तथा सेहत को दुरुस्त रखने के लिए खाली पेट सेब का सेवन करना सबसे बेहतर रहता है। क्योंकि सेब में व्याप्त सभी विटामिन और मिनरल्स खाली पेट खाये जानें पर उसमें अच्छी तरह से अवशोषित कर लिये जाते हैं। आइए जानें रोजाना खाली पेट 1 सेब खाना आपको किन-किन बीमारियों से दूर रखता है।

सेब खाने के फायदे

रोजाना सुबह-सुबह खाली पेट सेब खाना वास्तव में सेहत के लिए लाभदायक होता हैंढ्ढ सेब को कभी छीलकर नहीं खाना चाहिए क्योंकि सेब के छिलके में सबसे अधिक महत्वपूर्ण छरिये तत्व मौजूद होते हैं और अगर आप सेब को छिल कर खायेंगे तो वह सभी तत्व नष्ट हो जायेंगे। इसके अलावा क्या आप जानते हैं कि सेब के गूदे की अपेक्षा उसके छिलके में अधिक ताकत होती हैं। सेब के छिलके में विटामिन सी के साथ ही अन्य फलों की तुलना में सेब में फास्फोरस की मात्रा भी सबसे अधिक होती हैं।

हाई ब्लड प्रेशर

अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचना चाहते हैं तो रोजाना खाली पेट एक सेब का सेवन करें। वैज्ञानिकों का मानना है कि रोजाना एक सेब छिलका उतारे बगैर खाते रहने से हाई ब्लड प्रेशर आपसे कोसों दूर रह सकता है। कनाडा के वैज्ञानिकों ने पाया कि यह अन्य 'सुपरफूड' की तुलना में अधिक प्रभावी है। टेलीग्राफ में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय से सेब को 'एंटीऑक्सीडेंट' और 'फ्लेवानोइड्स' का प्राकृतिक स्त्रोत माना जाता रहा है। ये दिल के लिए अच्छे माने जाते हैं।

हार्ट बर्न की शिकायत दूर करें

अगर आप सीने में जलन जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं तो रोजाना एक सेब खाने की आदत डाल लें। दरअसल सेब हमारे इम्यून सिस्टम को भी प्रभावित करता है। लाल सेब में क्यूर्सेटिन नामक एंटीआक्सीडेंट होता है जो कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यानी अगर आपने गलती से थोड़ा ज्यादा खा भी लिया तो बदहजमी या सीने में जलन जैसी शिकायतें नहीं होंगी।

सेब बढ़ाता है याददाश्त

1 सेब रोज खाने से आपकी याददाश्त बढ़ती है। शरीर में मौजूद मुक्त कण दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, यह दिमाग की बाहरी परत यानी न्यूरॉन्स को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं। क्यूर्सेटिन दिमाग को सूजन से बचाता है और सूजन के कारण कम हो रही याद्दाश्त को भी क्षीण नहीं होने देता।

मोटापे से बचाए

सेब में मौजूद भरपूर मात्रा में फाइबर, शरीर में पानी बनाए रखने में मदद करते हैं। जिससे आपको सेब खाने के बाद पेट भरा सा लगता है और अनावश्यक भोजन की इच्छा नहीं होती है। डाइटिंग करने वालों के लिए सेब एक उपयोगी फल है।

रेसिपी

स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स

सामग्री

2 कप मैदा, 1 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए आलू ,1 कप बारीक कटा हुआ फूलगोभी ,1 कप कद्दूकस किया हुआ गाजर , 4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार , 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, पानी आवश्यकतानुसार , तलने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में मैदे में थोड़ा सा नमक, तेल और पानी डालकर गूंद लें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही इसमें प्याज और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भून लें। अब इसमें आलू, फूलगोभी, गाजर, नमक मिलाएं और कड़छी से चलाते हुए फ्राई कर लें। जब सभी सब्जियां सॉफ्ट हो जाएं तब इसमें गरम मसाला मिलाएं और अच्छे से मिक्स कर आंच बंद कर दें। मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और ठंडा होने के लिए रख दें। इसी बीच गूंदे हुए मैदे की लोइयां तोड़कर इसकी रोटियां बेल लें। मिश्रण के ठंडे होते ही इसे रोटियों के बीचों बीच रखकर इनके बॉल्स बनाएं और एक कटोरी में रखते जाएं। ध्यान रहे कि कटोरी को हल्का चिकना जरूर कर लें। अब मीडियम आंच में एक कड़ाही में 1 से 2 कप पानी गर्म करने के लिए रखें। पानी के गर्म होते ही आंच धीमी कर दें और बॉल्स वाली कटोरी को कड़ाही में रखकर इसे 5 मिनट के लिए ढक दें। तय समय के बाद स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स तैयार मिलेंगे। स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स को सर्विंग प्लेट में निकालें और टोमैटो गार्लिक चटनी के साथ सर्व करें।

गुड़ पोहा

सामग्री

1 कप पोहा, 1 छोटी कटोरी गुड़ , 2 चम्मच कद्दूकस किया हुआ नारियल , एक चौथाई चम्मच इलायची पाउडर , 1 बड़ा चम्मच घी, पानी आवश्यकतानुसार

सजावट के लिए, 4-5 बारीक कटे हुए काजू

विधि

सबसे पहले पोहे को अच्छे से धोकर इससे पूरी तरह से पानी निचोड़ लें। धीमी आंच में एक पैन में पानी और गुड़ डालकर उबालें। जब गुड़ की गाढ़ी चाशनी तैयार हो जाए तब इसमें इलायची पाउडर, पोहा और कद्दूकस किया हुआ नारियल मिलाकर कड़छी से चलाते हुए अच्छे से मिक्स कर लें और आंच बंद कर दें। अब एक दूसरे पैन में घी गर्म करने के लिए रखें। घी के गर्म होते ही इसमें काजू डालकर इसे हल्का सुनहरा होने तक फ्राई कर लें और आंच बंद कर दें। तैयार गुड़ पोहे को काजू से गार्निश कर सर्व करें।

संपादकीय

जो आयोग चाहे, वो वोटर

करीब 98 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी देश के उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री रहे हैं। वह नई दिल्ली से लोकसभा सांसद भी चुने गए थे। उन्हें, बेटी प्रतिभा और बहू को मतदाता सूची में शामिल करने पर सवाल हैं, लिहाजा उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। देश के मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर, उनकी जापानी पत्नी और विदेश सचिव विक्रम मिसरी को भी नोटिस भेजे गए हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल के मतदाता होने पर भी चुनाव आयोग को संदेह है। बहरहाल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मामला किसी तरह निपटा लिया गया है, लेकिन केजरीवाल, उनके 85 वर्षीय माता-पिता, उनकी आईआरएस रहीं और सरकारी पेंशनधारी पत्नी और बेटे के दिल्ली में मतदाता होने पर आयोग के सवाल हैं, लिहाजा उन्हें नोटिस के जवाब देने ही पड़ेंगे। देश के कानून मंत्री रहे, चांदनी चौक के पूर्व सांसद, मौजूदा राज्यसभा सांसद एवं सर्वोच्च अदालत के प्रख्यात अधिवक्ता कपिल सिब्बल के मतदाता होने पर आयोग को क्या आपत्तियां हैं, कमोबेश हमारी समझ के बाहर है। यहां तक कि मौजूदा चुनाव आयुक्त एसएस संधू, जो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के समकक्ष ही हैं, को भी नोटिस भेजा गया है कि उनके नाम की स्पेलिंग (वर्तनी) 2002 के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती, लिहाजा वह स्पष्ट करें। बेहद हास्यास्पद है कि सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, थलसेना प्रमुख रहे जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, सर्वोच्च अदालत की न्यायाधीश रहीं जस्टिस रंजना देसाई, सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला आदि अति विशिष्ट चेहरों को भी चुनाव आयोग ने नोटिस भेजे हैं, तो आम मतदाता की कराहें, चीखें, गुहार कौन सुनेगा? कैग प्रमुख के. संजय मूर्ति के माता-पिता के नाम भी नहीं हैं। बेशक चुनाव आयोग द्वारा नोटिस भेजना एक सामान्य प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन हमारा पक्का यकीन है कि अंततः इन सभी नामों को दिल्ली की मतदाता-सूची में जोड़ा जाएगा। क्या चुनाव आयोग अपनी नालायकी पर माफी मांगेगा? दरअसल हमारा बुनियादी और गंभीर सवाल 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के प्रारूप पर है। यह अभियान चलाने वाले अधिकारियों की मेधा, सामान्य बुद्धि, पर भी तरस आता है। ज्ञानेश कुमार भी सामूहिक तौर पर 'खलनायक' हैं। क्या संविधान के अनुच्छेद 324 और 325 में चुनाव आयोग को यही विशेष शक्तियां दी गई हैं कि मतदाता वही होगा, जिसे चुनाव आयोग चाहेगा? लेकिन अनुच्छेद 326 में यह प्रावधान भी है कि देश का प्रत्येक 18 वर्षीय वयस्क नागरिक 'अधिकृत मतदाता' होगा। यह मताधिकार क्यों छीना जा रहा है? एसआईआर के तहत करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम अभी तक काटे जा चुके हैं। उनके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। लोग 'दिवंगत' भी हुए होंगे, तो नए मतदाता भी जुड़े होंगे! मताधिकार गंवाने वालों की यह कोई सामान्य संख्या नहीं है और एसआईआर अभी जारी है। यह सवाल लगातार अनुत्तरित क्यों है कि आयोग काटे गए नामों का खुलासा, वर्गीकरण समेत, सर्वोच्च अदालत को दे और वहां से देश को अवगत कराया जाए। ज्ञानेश कुमार गुप्ता संविधान के भी 'सुप्रीम' नहीं हैं। संविधान के तहत ही उन्हें इस पद का दायित्व और विशेषाधिकार दिए गए हैं। दरअसल हमने जिन अति विशिष्ट चेहरों का उल्लेख किया है, उन्हें निर्वाचित भी घोषित किया जा चुका है और यह काम आयोग ने ही किया और ये लोग दशकों से मतदाता भी रहे हैं। आडवाणी और केजरीवाल के माता-पिता की जो उम्र है, उसके मुताबिक वे 60-70 साल से मतदान कर रहे होंगे, अचानक उस पर सवाल किए जा रहे हैं! क्या अब मतदाता की परिभाषा बदल गई है और वे 2002 की मतदाता-सूची के आधार पर ही तय किए जाएंगे? यह कोई 'ब्रह्म-ग्रंथ' है क्या? यह पुनरीक्षण उसी आधार पर किया जाना चाहिए, जो मतदाता ने फॉर्म भरा है। मतदाता ही अपने बारे में ब्यौरा देने को स्वतंत्र और अधिकृत है। 2002 में कोई गलती रह गई होगी, तो उसके आधार पर आप किसी का मताधिकार छीन लेंगे? माता-पिता का नाम देने की स्वतंत्रता भी मतदाता की होनी चाहिए और उनका मिलान करना ही गलत है। यह अधिकार भी मतदाता का होना चाहिए। कोई मतदाता किसी काम से या व्यवसाय के कारण अथवा पारिवारिक कारणों से स्थानांतरित हो गया है, तो उसे फोन कर पुष्टि करनी चाहिए और फिर आयोग कोई अंतिम निर्णय ले। अराजकता खत्म होनी चाहिए। आयोग की इस प्रक्रिया के कारण आम आदमी ही नहीं, बल्कि खास लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आयोग का कत्तव्य नागरिकों को सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, न कि उन्हें परेशान करना।

दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल के मतदाता होने पर भी चुनाव आयोग को संदेह है। बहरहाल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मामला किसी तरह निपटा लिया गया है, लेकिन केजरीवाल, उनके 85 वर्षीय माता-पिता, उनकी आईआरएस रहीं और सरकारी पेंशनधारी पत्नी और बेटे के दिल्ली में मतदाता होने पर आयोग के सवाल हैं, लिहाजा उन्हें नोटिस के जवाब देने ही पड़ेंगे। देश के कानून मंत्री रहे, चांदनी चौक के पूर्व सांसद, मौजूदा राज्यसभा सांसद एवं सर्वोच्च अदालत के प्रख्यात अधिवक्ता कपिल सिब्बल के मतदाता होने पर आयोग को क्या आपत्तियां हैं, कमोबेश हमारी समझ के बाहर है। यहां तक कि मौजूदा चुनाव आयुक्त एसएस संधू, जो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के समकक्ष ही हैं, को भी नोटिस भेजा गया है कि उनके नाम की स्पेलिंग (वर्तनी) 2002 के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती, लिहाजा वह स्पष्ट करें। बेहद हास्यास्पद है कि सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, थलसेना प्रमुख रहे जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, सर्वोच्च अदालत की न्यायाधीश रहीं जस्टिस रंजना देसाई, सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला आदि अति विशिष्ट चेहरों को भी चुनाव आयोग ने नोटिस भेजे हैं, तो आम मतदाता की कराहें, चीखें, गुहार कौन सुनेगा? कैग प्रमुख के. संजय मूर्ति के माता-पिता के नाम भी नहीं हैं।

भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है

दीपक की लौ और हमारी सांस्कृतिक संवेदना

आप दीप जलाते हैं या नहीं जलाते, यह आपका व्यक्तिगत निर्णय है। किसी धार्मिक परंपरा को मानना, उससे दूरी रखना या अपने तरीके से उसका पालन करना—लोकतांत्रिक समाज में यह व्यक्ति की स्वतंत्रता का विषय है। लेकिन जब व्यक्तिगत पसंद या राजनीतिक असहमति की अभिव्यक्ति किसी धार्मिक प्रतीक और सांस्कृतिक परंपरा के सार्वजनिक उपहास तक पहुँच जाती है, तब सवाल केवल एक दीपक का नहीं रह जाता। सवाल यह होता है कि असहमति जताते समय हम दूसरों की आस्था और सांस्कृतिक संवेदनाओं का कितना सम्मान करते हैं। भारतीय संस्कृति में दीपक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। दीपावली का पूरा भाव ही प्रकाश, आशा और अंधकार पर प्रकाश की विजय से जुड़ा है। घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संध्या समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है; वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है—"दीपो ज्योतिः परं ब्रहम, दीपो ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं, संध्यादीप नमोऽस्तुते॥" अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्ज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है। इसलिए दीप जलाना किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए, लेकिन दीप जलाने वाले व्यक्ति की आस्था का मजाक उड़ाना भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी पसंद की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि दूसरे की पसंद और आस्था के सम्मान की जिम्मेदारी भी है। इसी के साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि जब किसी धार्मिक प्रतीक को किसी राजनीतिक आयोजन से जोड़ दिया जाता है, तो उस आयोजन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई व्यक्ति यह पूछ सकता है कि सार्वजनिक संस्थानों में किसी राजनीतिक कार्यक्रम की भूमिका क्या होनी चाहिए, उसमें भागीदारी स्वैच्छिक है या नहीं और सरकारी संसाधनों का उपयोग किस सीमा तक उचित है। यहीं राजनीतिक आयोजन की आलोचना और सांस्कृतिक प्रतीक के अपमान के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में दीप जलाने को लेकर आपत्ति है, तो सवाल कार्यक्रम की राजनीतिक प्रकृति, प्रशासनिक भूमिका, खर्च या सहभागिता के तरीके पर होना चाहिए। स्वयं दीपक, पूजा या सनातन परंपरा को निशाना बनाना बहस को दूसरी दिशा में ले जाता है। इसी तरह, यदि कोई व्यक्ति राजनीतिक आयोजन का विरोध करता है, तो केवल इस आधार पर उसे भारतीय संस्कृति या धर्म-विरोधी कहना भी उचित नहीं होगा। आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इसके साथ एक समस्या भी आई है—व्यंग्य और आलोचना के बीच की सीमा कई बार धुंधली हो जाती है। कुछ शब्द या चित्र कुछ लोगों को सामान्य राजनीतिक व्यंग्य लग सकते हैं, लेकिन वही सामग्री किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसकी आस्था का अपमान महसूस हो सकती है। इसलिए सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक संवेदनशीलता भी जरूरी है। जन्मदिन पर मोमबत्ती बुझाने की परंपरा का उदाहरण भी इसी संदर्भ में सामने आता है। आज जन्मदिन के अवसर पर केक काटना और मोमबत्तियां बुझाना व्यापक रूप से प्रचलित है। दूसरी ओर, भारतीय धार्मिक परंपरा में दीपक को शुभता और प्रकाश का प्रतीक मानने वाले लोग इसे अलग दृष्टि से देखते हैं। दोनों परंपराओं के सांस्कृतिक संदर्भ अलग हैं। इसलिए किसी एक को अपनाने या दूसरे से दूरी रखने को अपने आप में किसी व्यक्ति की देशभक्ति या संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण नहीं बनाया जाना चाहिए। फिर भी एक विचारणीय प्रश्न अवश्य है—क्या हम अपनी संस्कृति से जुड़े प्रतीकों के प्रति उतने ही संवेदनशील हैं, जितनी संवेदनशीलता हम दूसरे सांस्कृतिक प्रतीकों के लिए अपेक्षित करते हैं? यदि कोई व्यक्ति दीपावली पर दीप नहीं जलाना चाहता, उसे ऐसा करने की स्वतंत्रता है। लेकिन यदि कोई दूसरा व्यक्ति पूरे श्रद्धाभाव से दीप जलाता है, तो उसकी आस्था का उपहास क्यों किया जाए? इसी तरह यदि कोई व्यक्ति किसी राजनीतिक कार्यक्रम में दीप जलाकर सहभागिता करता है, तो उसकी आलोचना कार्यक्रम के राजनीतिक पक्ष पर होनी चाहिए, उसकी धार्मिक आस्था पर नहीं। राजनीतिक बहस में पूर्व प्रधानमंत्रियों या दूसरे नेताओं के जन्मदिन समारोहों और कथित सरकारी खर्चों के उदाहरण भी दिए जाते हैं। ऐसे आरोपों को प्रमाणित करने के लिए संबंधित वर्ष, खर्च और आधिकारिक दस्तावेज सामने रखना आवश्यक है। बिना प्रमाण किसी व्यक्ति या पूर्व सरकार पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाना उचित नहीं है। आज की राजनीतिक बहस को मजबूत करने के लिए तथ्य चाहिए, केवल पुराने आरोप नहीं। वास्तविक प्रश्न कुछ रुपये के तेल और बाती का नहीं है। वास्तविक प्रश्न यह है कि सार्वजनिक जीवन में हमारी प्राथमिकताएं क्या हों और हमारी भाषा कैसी हो। क्या राजनीतिक मतभेद इतने तीखे हो जाएँ कि सांस्कृतिक प्रतीक भी निशाने पर आ जाएँ? क्या धार्मिक आस्था को राजनीतिक समर्थन का पर्याय मान लेना सही है? क्या दीप जलाने वाला व्यक्ति अनिवार्य रूप से किसी राजनीतिक विचार का समर्थक है? और क्या दीप न जलाने वाला व्यक्ति स्वतः संस्कृति-विरोधी है? इन प्रश्नों का उत्तर यही है कि व्यक्ति की आस्था और राजनीतिक पसंद को अलग-अलग समझना होगा। दीपक किसी के लिए पूजा है, किसी के लिए परंपरा, किसी के लिए संस्कृति और किसी के लिए केवल प्रकाश। उसकी व्याख्या अलग हो सकती है, लेकिन उसका अपमान किए बिना असहमति व्यक्त करना संभव है। हमारी संस्कृति की शक्ति केवल इस बात में नहीं कि हम दीप जलाते हैं; उसकी शक्ति इस बात में भी है कि हम विविध विचारों के बीच संवाद बनाए रखते हैं। दीप की लौ अंधकार को दूर करती है—उसी तरह विवेक, संयम और तथ्य सार्वजनिक बहस के अंधकार को दूर कर सकते हैं। इसलिए दीप जलाइए या न जलाइए, यह आपका निर्णय है। किसी राजनीतिक आयोजन का समर्थन कीजिए या विरोध, यह भी आपका अधिकार है। लेकिन आस्था पर व्यंग्य करने से पहले और विरोध करते समय दूसरे की संवेदनाओं को चोट पहुँचाने से पहले इतना जरूर सोचिए—असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, पर सम्मान उसकी मर्यादा।

घर, मंदिर और अनेक शुभ अवसरों पर दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। संध्या समय दीप जलाने की परंपरा भी अनेक भारतीय परिवारों में आज तक दिखाई देती है। इसलिए किसी के लिए दीप केवल तेल, बाती और मिट्टी से बनी वस्तु नहीं है; वह श्रद्धा, शुभता, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। इसी भाव को संस्कृत की प्रसिद्ध प्रार्थना में व्यक्त किया गया है— "दीपो ज्योति: परं ब्रह्म, दीपो ज्योतिर्जनार्दन:। दीपो हरतु मे पापं, संध्यादीप नमोऽस्तुते॥" अर्थात दीपक की ज्योति को परम प्रकाश के रूप में नमन किया गया है और उससे अज्ञान तथा नकारात्मकता दूर होने की कामना की गई है। यही कारण है कि किसी सनातनी परिवार में दीप प्रज्ज्वलित होना केवल एक सामान्य घरेलू गतिविधि नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़ा संस्कार हो सकता है।

देश दुनिया से

योगी की पाती और बदलते यूपी का सपना

कभी उत्तर प्रदेश की पहचान उसके सामर्थ्य से नहीं, उसकी बदहाली से होती थी। अब उसी प्रदेश की पहचान बदलने का दावा है। योगी आदित्यनाथ की पाती इसी बदलाव का खाका सामने रखती है—बीमारू से आर्थिक शक्ति और अवसरों के केंद्र तक पहुंचने का। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होने वाला चौथा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इस दावे को दुनिया के सामने रखने का बड़ा मंच है। यह महज व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं, नौ वर्षों की विकास-यात्रा का प्रदर्शन भी है। एमएसएमई और ओडीओपी जैसी योजनाओं से चार करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का दावा, बढ़ता निर्यात तथा निवेश इस परिवर्तन के आधार के रूप में रखे गए हैं। लेकिन असली सवाल यहीं से शुरू होता है—इन आंकड़ों की चमक जमीन पर कितनी बदली हुई जिंदगी में दिखाई देती है। जिस प्रदेश का नाम कभी पिछड़ेपन, बेरोजगारी और पलायन से जुड़ा था, वही अब अपनी आर्थिक पहचान बदलने की कोशिश में है। विशाल आबादी, कमजोर औद्योगिक आधार, सीमित अवसर और कानून-व्यवस्था की पुरानी छवि ने लंबे समय तक यूपी को 'बीमारू' बनाए रखा। अब सरकार इस तस्वीर को बदलकर 'उत्सव प्रदेश' की पहचान गढ़ने का दावा कर रही है। इसकी बुनियाद बड़े आयोजनों से अधिक स्थानीय हुनर को बाजार से जोड़ने में है। 'एक जनपद एक उत्पाद' ने काशी की रेशमकारी, मुरादाबाद के पीतल और अलीगढ़ के तालों जैसे पारंपरिक उत्पादों को बाजार दिया। अब 'एक जनपद एक व्यंजन' इसी सोच को स्वाद और संस्कृति तक ले जा रहा है। लक्ष्य है—स्थानीय पहचान को बाजार की ताकत और वैश्विक पहचान में बदलना। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की अगली कड़ी है। इस बार जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस साझेदार देश हैं। करीब 72 देशों से 600 अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 2,400 से अधिक प्रदर्शक जुटेंगे। लेकिन सफलता भीड़ या भव्यता से नहीं, कारोबार से तय होगी—विदेशी खरीदार उत्पाद पसंद करने के साथ ऑर्डर दे, दोबारा लौटे और स्थानीय उद्यमी उत्पादन बढ़ाए, तभी यह आयोजन आर्थिक सफलता बनेगा। उत्तर प्रदेश के सामने अब 'वोकल फॉर लोकल' को वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ने की चुनौती है। इसके लिए कारीगर को डिजाइन, पूंजी, तकनीक, गुणवत्ता, पैकेजिंग और निर्यात की समग्र व्यवस्था देनी होगी। विकास की सबसे बड़ी कसौटी रोजगार है। सरकार पिछले नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख सरकारी नियुक्तियों और अगले छह महीनों में एक लाख और नियुक्तियों की बात करती है। एमएसएमई और ओडीओपी से चार करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का दावा भी इसी तस्वीर का हिस्सा है। युवाओं से नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला बनने को कहा जा रहा है। लेकिन उद्यमिता के लिए बैंक ऋण, बाजार, कौशल, तकनीक, बिजली, सरल नियम और कारोबारी भरोसा जरूरी हैं। चार करोड़ अवसरों की असली तस्वीर तभी सामने आएगी, जब पता चले कि कितने स्थायी हैं, कितनों से पर्याप्त आय हो रही है और कितने युवाओं का रोजगार के लिए प्रदेश से बाहर जाना घटा है। यूपी का सपना तभी मजबूत होगा, जब युवा अपना भविष्य इसी प्रदेश में देख सके। एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तभी सार्थक है, जब यूपी की संभावनाएं जमीन पर आर्थिक गतिविधि में बदलें। प्रदेश के पास बड़ा बाजार, श्रमशक्ति, कृषि, उद्योग और घरेलू मांग है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारे, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण और एमएसएमई इसके विस्तार के आधार हैं। कानून-व्यवस्था में सुधार और बुनियादी ढांचा निवेश की जमीन तैयार करते हैं। लेकिन निवेश प्रस्ताव और वास्तविक निवेश अलग हैं। कागज पर दर्ज हजारों करोड़ रुपये तब तक अर्थव्यवस्था नहीं बनते, जब तक कारखाने न लगें, उत्पादन और रोजगार न बढ़े। योगी सरकार के विकास मॉडल की असली परीक्षा घोषणाओं और नतीजों के बीच की दूरी घटाने में है। विकास की यह तस्वीर राजनीतिक संदर्भ से अलग नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले विकास, निवेश, कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की उपलब्धियां स्वाभाविक रूप से राजनीतिक महत्व रखती हैं और सरकार उन्हें व्यापक विकास-वृत्तांत के रूप में प्रस्तुत कर रही है। लेकिन लोकतंत्र में उपलब्धि का अंतिम पैमाना प्रचार नहीं, नागरिक का अनुभव है। किसान की आय, महंगाई, रोजगार की गुणवत्ता, छोटे कारोबारी की स्थिति और गांव-कस्बों तथा बड़े शहरों के बीच अवसरों का अंतर ही असली सवाल हैं। नोएडा का चमकता मंच तभी पूरे यूपी की तस्वीर बनेगा, जब बलिया, बहराइच, बुंदेलखंड, मुरादाबाद और चित्रकूट का छोटा उद्यमी भी कह सके कि उसके कारोबार के अवसर सचमुच बदले हैं। उत्तर प्रदेश की ताकत केवल सरकारी योजनाओं में नहीं, उसकी विविध स्थानीय पहचान और सामाजिक-सांस्कृतिक पूंजी में भी है। ब्रज की संस्कृति, अवध का स्वाद, पूर्वांचल का श्रम, बुंदेलखंड की जीवटता और पश्चिमी यूपी की औद्योगिक क्षमता मिलकर एक बड़े आर्थिक प्रदेश की ताकत बनती हैं। इन्हें बाजार, पर्यटन और निर्यात से जोड़ने पर संस्कृति केवल विरासत नहीं रहती, आय का स्रोत बनती है। यही 'उत्सव प्रदेश' की सार्थकता है—उत्सव के पीछे उत्पादन, उत्पादन के पीछे बाजार और बाजार के साथ आम आदमी की बढ़ती आय।

आप का नज़रिया

क्या रात का हिमाचल अलग है?

बेशक हिमाचल दिन के उजाले में प्रगति और प्रशंसा के कार्यों को तसदीक कर रहा है, लेकिन रात के अंधेरों से खौफ बढ़ रहा है। ऐसे में प्रश्न स्वाभाविक है, क्या रात का हिमाचल अलग है? क्या पाप का घड़ा रात को भर रहा है? रात के समय हिमाचल के बार्डर एरिया निरंकुश हो रहे हैं। जाहिर है रात और दिन की आर्थिकी के बीच एक आपराधिक तंत्र शिरकत कर रहा है। कुछ दिन पहले ऊना में रेत छानती मशीनें अगर अवैध खनन की दुकानदारी करते पकड़ी गईं, तो अब नूरपुर क्षेत्र में पकड़ी गई दो जेसीबी, एक ट्रैक्टर और पांच मल्टीएक्सल टिप्परों की मेहनत पर चढ़ा अवैधा धंधा, चक्की खड्ड को कुख्यात कर रहा था। इसी दौरान ज्वालामुखी में चार ट्रैक्टर ट्रालियां रात के अंधेरे में अवैध खनन करती पकड़ी गईं, तो यह भूत अब डराने लगा है। हिमाचल में रात के महीने बदल जाते हैं और वर्ष का कैलेंडर उत्पाती होने लगा है। परिवहन विभाग के धर्मशाला स्थित उडऩदस्ते ने पांच महीने में निजी वोल्वो बसों के अवैध चालन के लिए 76 चालान करते हुए पंद्रह लाख वसूले, तो यहां रात को जल रहा ईंधन कसूरवार निकला। हिमाचल की रात में परिवहन की माकूल चौकसी न होने के कारण आपराधिक तंत्र दौडऩे लगा है। आश्वर्य यह कि देखते-देखते निजी बसों की रात्रि खेप इतनी बड़ी हो गई कि हिमाचल परिवहन निगम का बस संचालन छोटा पड़ गया। निजी वोल्वो बसें केवल यात्रियों की छीना झपटी नहीं कर रहीं, बल्कि सामान ढोने के दरवाजे भी खोल चुकी हैं। जिस चिट्टे या नशे के खिलाफ हिमाचल दिन में रैलियां निकाल रहा है, उसकी खेप रात को साम्राज्य बना कर निरंतर पहुंच रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में रात की निगरानी और संपूर्ण हिमाचल की ट्रैफिक पेट्रोलिंग के लिए अब इच्छाशक्ति सामने आनी चाहिए। बेशक रात को दिन समझ कर चलने वाले धंधों में इजाफा सुखद पहलू हो सकता है, लेकिन जहां अंधेरों को घायल करके दुनिया बसाई जा रही हो, उसे खत्म करना होगा। हैरानी यह कि हिमाचल में अतिक्रमण की चाल, रात के पहरों को गच्चा दे रही है। अब तो कचरे और मलबे से भरे वाहन रात को यहां वहां उडेले जा रहे हैं और यह शहरों की परिक्रमा में होने लगा है। हिमाचल की सडक़ों पर वाहनों की पार्किंग बताती है कि रात को शहर किसी व्यवस्था के पाबंद नहीं। बाजारों का कूड़ा-कचरा दुकानों के बाहर निकलता है, तो यह संकेत है कि व्यापार मंडल सिर्फ दिन की व्यवस्था में काम करते हैं। ऐसे में अब हिमाचल की रात्रि व्यवस्था में कानून के पहरावे बढ़ाने होंगे। रात्रि पुलिस व्यवस्था के तहत बार्डर एरिया अगर सतर्क रहें, तो अवैध धंधों की कोई खेप हिमाचल में प्रवेश नहीं कर पाएगी। रात्रि परिवहन को आसान बनाने के साथ-साथ माकूल पुलिस पेट्रोलिंग व्यवस्था का दायरा बढ़ाना होगा। हिमाचल में अगर पर्यटन उद्योग की अहमियत और बढ़ानी है, तो इसके रात्रि कदमों पर चौकस निगाह होनी चाहिए। वैसे भी अब पर्यटन की संभावनाओं ने हाई वे टूरिज्म को दिन-रात सक्रिय किया है, तो एक आश्वासन राज्य को भी देना है कि यहां चौबीस घंटे व्यवस्था काम करती है। इसके लिए सीसीटीवी के माध्यम से व्यापक कवरेज, सुरक्षित पार्किंग, दिन-रात की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय प्रणाली तथा आपातकालीन सेवाओं में सुधार करने की गुंजाइश है, जबकि शहरों में सुरक्षा गार्डों का इंतजाम करना होगा।

जाहिर है रात और दिन की आर्थिकी के बीच एक आपराधिक तंत्र शिरकत कर रहा है। कुछ दिन पहले ऊना में रेत छानती मशीनें अगर अवैध खनन की दुकानदारी करते पकड़ी गईं, तो अब नूरपुर क्षेत्र में पकड़ी गई दो जेसीबी, एक ट्रैक्टर और पांच मल्टीएक्सल टिप्परों की मेहनत पर चढ़ा अवैधा धंधा, चक्की खड्ड को कुख्यात कर रहा था। इसी दौरान ज्वालामुखी में चार ट्रैक्टर ट्रालियां रात के अंधेरे में अवैध खनन करती पकड़ी गईं, तो यह भूत अब डराने लगा है। हिमाचल में रात के महीने बदल जाते हैं और वर्ष का कैलेंडर उत्पाती होने लगा है। परिवहन विभाग के धर्मशाला स्थित उडऩदस्ते ने पांच महीने में निजी वोल्वो बसों के अवैध चालन के लिए 76 चालान करते हुए पंद्रह लाख वसूले, तो यहां रात को जल रहा ईंधन कसूरवार निकला। हिमाचल की रात में परिवहन की माकूल चौकसी न होने के कारण आपराधिक तंत्र दौडऩे लगा है। आश्वर्य यह कि देखते-देखते निजी बसों की रात्रि खेप इतनी बड़ी हो गई कि हिमाचल परिवहन निगम का बस संचालन छोटा पड़ गया। निजी वोल्वो बसें केवल यात्रियों की छीना झपटी नहीं कर रहीं, बल्कि सामान ढोने के दरवाजे भी खोल चुकी हैं। जिस चिट्टे या नशे के खिलाफ हिमाचल दिन में रैलियां निकाल रहा है, उसकी खेप रात को साम्राज्य बना कर निरंतर पहुंच रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में रात की निगरानी और संपूर्ण हिमाचल की ट्रैफिक पेट्रोलिंग के लिए अब इच्छाशक्ति सामने आनी चाहिए।

कुछ अलग

महान दरार गणराज्य का जन्म

जिसे मनुष्य छिपने की जगह समझता है, कॉकरोच उसे सभ्यता कहता है।' मनुष्य के इतिहास में दीवारें पहले बनीं और संविधान बाद में। कॉकरोचों के इतिहास में पहले दरारें बनीं, फिर समुदाय। शायद इसी कारण उनका संविधान कभी लिखा नहीं गया। वह जीवित रहा, पीढ़ी दर पीढ़ी शब्दों से नहीं, व्यवहार से। जहां नियम पुस्तकों में बंद हों, वहां नागरिक उन्हें पढ़ते हैं, जहां नियम व्यवहार में जीवित हों, वहां बच्चे उन्हें देखकर सीखते हैं। जब पहली दरार में कुछ परिवार रहते थे, तब नियमों की आवश्यकता नहीं थी। सब एक-दूसरे को जानते थे। भोजन साझा था और डर भी। जीवन छोटा था, इसलिए विवाद भी छोटे थे। किन्तु समय कभी स्थिर नहीं रहता। धीरे-धीरे परिवार बढ़े। नई पीढियां आईं। नई दरारें मिलीं। पुरानी दरारें टूटने लगीं। तब पहली बार सबसे वृद्ध कॉकरोच ने कहा, 'अब हमें नियम नहीं बनाने, केवल भूलें कम करनी होंगी।

दृष्टि कोण

विशेष स्कीम पर भारतवंशियों को भरोसा

आठ जून से भारतीय रिजर्व बैंक ने एक विशेष स्वैप स्कीम की शुरुआत की और बैंकों को यह सुविधा दी कि इस स्कीम के तहत भारतवंशी यानी विदेश में भारतीय मूल के लोगों द्वारा भारतीय बैंकों में विदेशी मुद्रा जमा (3 वर्ष से 5 वर्ष की अवधि के लिए) को वर्तमान मूल्य से रिजर्व बैंक से स्वैप कर पाएंगे। यानी जिस मूल्य पर आज बैंक रिजर्व बैंक के पास जमा करेंगे, परिपक्व होने पर उसी मूल्य पर वे रिजर्व बैंक से विदेशी मुद्रा प्राप्त कर पाएंगे। इस स्कीम से प्रोत्साहित होकर बैंकों ने भारतवंशियों की जमाएं 6 से 7 प्रतिशत की ब्याज दर पर स्वीकार की, जिन पर पूर्व में केवल तीन से चार प्रतिशत ही ब्याज दिया जाता था। इसका कारण यह था कि रुपए में डॉलर के मूल्य बढऩे के जोखिम के लिए बैंकों को पहले हेजिंग करवानी पड़ती थी। हेजिंग की लागत समय-समय पर बदलती रही है, लेकिन वर्तमान समय में यह तीन प्रतिशत के आसपास है। इन विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक खातों पर अधिक ब्याज और दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था, सरकार और बैंकों पर भरोसा, इन सभी कारणों से भारतवंशियों ने मात्र 3 महीने से भी कम समय में 127.2 अरब डॉलर जमा कर इतिहास रचा है। गौरतलब है कि वर्ष 2013 में भी लगभग इसी प्रकार की स्कीम के अंतर्गत मात्र 34.3 अरब डॉलर एकत्र हुए थे, जिनमें 26 अरब डॉलर एफसीएनआर के रूप में प्राप्त हुए। 2013 में यह स्कीम 85 दिनों तक खुली रही थी और 2026 की स्कीम भी 85 दिन चली, लेकिन इन 85 दिनों में एफसीएनआर खातों में कुल जमा 127.2 अरब डॉलर प्राप्त हुए, जबकि कुल प्राप्तियां 136.4 अरब डॉलर की रही। यानी 2026 में 2013 की तुलना में लगभग 4.9 गुना ज्यादा। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक की स्कीम इस बार काफी सफल रही और उसके परिणाम भी दिखने शुरू हो गए हैं। लेकिन आर्थिक जगत के कुछ लोगों द्वारा इस स्कीम की आलोचना भी की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को हेजिंग लागत से मुक्त कर, वह भार स्वयं पर ले लिया है। जिसका खामियाजा रिजर्व बैंक को भविष्य में भुगतना पड़ेगा और जब ये जमाएं परिपक्व होंगी और डॉलर का मूल्य रुपयों में अधिक होगा तो नुकसान रिजर्व बैंक के लाभों को कम कर देगा। फलस्वरूप रिजर्व बैंक के लाभ कम होने से भारत सरकार की प्राप्तियां घट जाएंगी, जिससे बजट असंतुलन हो जाएगा।

क्यों सही नहीं हैं आलोचकों के तर्क : लोकतंत्र में नीतियों पर बहस एक स्वस्थ परंपरा है, लेकिन आलोचकों के तर्कों की सत्यता की पड़ताल भी उतनी ही जरूरी है, ताकि नीतियों को सही दिशा दी जा सके। रिजर्व बैंक की विशेष स्वैप स्कीम के लाभों पर चर्चा भी जरूरी है। फिर यह देखना होगा कि भविष्य में रिजर्व बैंक को इससे जिस संभावित नुकसान की चिंता की जा रही है, उसकी तुलना में इस योजना से कितना लाभ देश को होगा।

पूर्व में भी ऐसी स्कीम हुई थी सफल : वर्ष 2013 में भी जब देश विदेशी मुद्रा भंडार संकट से गुजर रहा था, भारतीय रिजर्व बैंक के लगभग इसी प्रकार की विशेष स्वैप स्कीम के माध्यम से मात्र 85 दिनों में ही 34.3 अरब डॉलर जुटाए थे, जिनमें 26 अरब डॉलर एफसीएनआर के माध्यम से आए थे। उस समय विदेशी विनिमय में भयंकर अनिश्चितता का माहौल था। इस स्कीम से पहले सामान्यतः करेंसी का जोखिम बैंकों को उठाना पड़ता था, इसलिए वे एफसीएनआर पर अत्यंत सीमित ब्याज दे पाते थे। 2013 की स्कीम के तहत रिजर्व बैंक ने बैंकों को यह गारंटी दी थी कि भविष्य में जब भी यह जमा 3 से 5 वर्ष के बीच परिपक्व होगी, रिजर्व बैंक उनसे 3.5 प्रतिशत वार्षिक ही वसूलेगा।

एशियाई खेल: भारत ने दक्षिण कोरिया को 63-31 से रौंदा, पुरुष कबड्डी में लगातार दूसरी जीत

आइची-नगोया

मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को ग्रुप ए के दूसरे मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 63-31 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारत ने पहले हाफ में ही मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया था और मध्यांतर तक 34-14 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी।

भारत ने शुरुआती हाफ में दक्षिण कोरिया पर दो आलआउट लगाए। इनमें दूसरा आलआउट मध्यांतर से ठीक पहले आया, जिससे भारतीय टीम की स्थिति और मजबूत हो गई।

दूसरे हाफ में भी भारत ने अपना दबदबा कायम रखा और 32 अंकों के अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप ए में दो मैचों से दो जीत हासिल कर ली हैं।

भारत ने सोमवार को अपने अभियान की शुरुआत जापान के खिलाफ 49-24 की जीत से की थी। जापान ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 20 से अधिक अंक हासिल किए थे, लेकिन भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में नियंत्रण बनाए रखा और आसान जीत दर्ज की।

भारत का अगला मुकाबला ग्रुप ए में बांग्लादेश से टोकेई सिटिजन जिम्नेजियम में होगा।

निशानेबाजी में इलावेनिल और पार्थ स्वर्ण पदक मुकाबले में - निशानेबाजी में भारत की इलावेनिल वलारिवन और पार्थ माने ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालिफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया। चीन ने 638.9 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और नया विश्व रिकार्ड बनाया। उसने पिछले 636.9 अंक के रिकार्ड में सुधार किया।

भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन की शुरुआत मजबूत तरीके से की और 20 शाट के बाद 211.9 अंक हासिल किए। इसके बाद भी इलावेनिल और पार्थ ने अपनी स्थिति बनाए रखी और 634.9 अंक के साथ क्वालिफिकेशन पूरा किया। भारतीय जोड़ी का यह स्कोर मौजूदा एशियाई रिकार्ड से भी बेहतर रहा।

चीन ने 638.9 अंक के रिकार्ड स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन समाप्त किया।

चीन की ओर से पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिकेशन में सोमवार को हिस्सा लेने वाले शेंग लिहाओ ने भी योगदान दिया और चीन ने अपने शाट्स जल्दी पूरे कर लिए। चीन और भारत के क्वालिफिकेशन पूरा करने के समय दक्षिण कोरिया और ईरान अपनी सीरीज पूरी कर रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलः भारतीय खिलाड़ियों की मदद के लिए साई ने बढ़ाई सुविधाएं

आइची-नगोया, जापान। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने एशियाई खेल 2026 में भारतीय दल के लिए जमीनी स्तर पर लाजिस्टिक और खिलाड़ियों से जुड़ी सहायता को मजबूत किया है। साई की ओर से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और हयोगी स्टाफ की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई व्यवस्थाएं की गई हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के आगमन को सुगम बनाने के लिए हवाई अड्डे पर एक समर्पित स्वागत एवं सहायता टीम तैनात की गई है। इसमें भारतीय ओलंपिक संघ, साई और जापान स्थित भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह टीम आने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ का स्वागत करने के साथ आगमन संबंधी औपचारिकताओं में सहायता कर रही है। साथ ही खिलाड़ियों को जलपान और आगे खेल स्थलों तथा आवास तक पहुंचने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। साई ने भारतीय दल की सुविधा के लिए कई अतिरिक्त व्यवस्थाएं भी की हैं। भारतीय निशानेबाजों के लिए प्रतियोगिता स्थलों तक आने-जाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा चिकित्सा टीमों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है, ताकि चिकित्सा दल विभिन्न प्रतियोगिता स्थलों के बीच आसानी से पहुंच सकें और जरूरत पड़ने पर खिलाड़ियों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा सकें। आयोजन समिति की ओर से सीमित आवास उपलब्ध होने के कारण जिन प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ के लिए आवास की व्यवस्था नहीं हो सकी थी, उनके लिए भी अतिरिक्त कमरों की व्यवस्था साई ने की है।

एशियाई खेलः इलावेनिल-पार्थ पदक से चूके, 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में चौथे स्थान पर रहे

आइची-नगोया। भारत की इलावेनिल वलारिवन और पार्थ माने की जोड़ी एशियाई खेल 2026 में

मंगलवार को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक जीतने से चूक गई। भारतीय जोड़ी फाइनल में 376.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही और पदक की दौड़ से बाहर हो गई। इलावेनिल और पार्थ ने फाइनल की शुरुआत चौथे स्थान से की। पहले 10 शाट के बाद भारतीय जोड़ी ने 103.6 अंक हासिल किए। चीन 107.2 अंक के साथ शीर्ष पर था, जबकि दक्षिण कोरिया 104.9 और जापान 103.9 अंक के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थे। 20 शाट के बाद भी भारतीय जोड़ी चौथे स्थान पर रही। उसके खाते में 207.9 अंक थे और तीसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया से वह 1.3 अंक पीछे थी। चीन 211.9 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ था। तीसरी सीरीज के बाद भी इलावेनिल और पार्थ 312.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। चीन 315.7 अंक के साथ पहले, जापान 314.9 अंक के साथ दूसरे और दक्षिण कोरिया 314.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर था।

एशियाई खेलः जापान से 1-3 से हारकर भारतीय महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर

आइची-नगोया। भारतीय महिला बैडमिंटन टीम को एशियाई खेल 2026 के क्वार्टर फाइनल में जापान के

खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा और इसके साथ ही उसका अभियान समाप्त हो गया। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में पीवी सिंधु और तनीशा शर्मा-तरुण के प्रदर्शन में कुछ अच्छे पल देखने को मिले, लेकिन भारत जापान की चुनौती पार नहीं कर सका। क्वार्टर फाइनल के पहले मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची से हुआ। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। सिंधु ने 5-5 से बराबरी की, लेकिन ब्रेक तक यामागुची 11-9 से आगे थीं। सिंधु ने 12-12 से बराबरी करने के बाद 17-18 और फिर 18-18 की बराबरी हासिल की। इसके बाद भी दोनों के बीच कड़ा संघर्ष जारी रहा और सिंधु ने पहला गेम 23-21 से जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही। ब्रेक तक यामागुची 11-9 से आगे थीं और उन्होंने बढ़त को 17-12 तक पहुंचाया। सिंधु ने वापसी करते हुए अंतर 16-18 किया, लेकिन यामागुची ने फिर बढ़त मजबूत की और दूसरा गेम 21-18 से जीत लिया। निर्णायक गेम में यामागुची ने शुरुआत से दबदबा बनाया और ब्रेक तक 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। सिंधु मुकाबले में वापसी नहीं कर सकीं और यामागुची ने निर्णायक गेम 21-11 से जीतकर जापान को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे मुकाबले में उन्नति हुड्डा का सामना तोमोका मियाजाकी से हुआ।

एशियन गेम्स : भारत को पहला स्वर्ण, पुरुष बैडमिंटन टीम ने पदक किया पक्का

महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को हराकर जीता स्वर्ण

रोशिबिना वुशु के सेमीफाइनल में, मुक्केबाज जदुमणि सिंह अंतिम-16 में पहुंचे

एशियन गेम्स मेडल टैली:

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रोंज	कुल
1	CHN People's Republic of China	32	13	8	53
2	JPN Japan	11	16	19	46
3	KOR Republic of Korea	6	4	17	27
4	KAZ Kazakhstan	6	1	5	12
5	THA Thailand	4	1	1	6
6	HKG Hong Kong, China	3	5	4	12
7	TJK Tajikistan	2	1	1	4
8	IND India	1	4	2	7
9	UZB Uzbekistan	1	4	1	6

एशियन गेम्स के तीसरे दिन भारत को पहला स्वर्ण पदक मिला। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने मेजबान जापान को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और भारत का एक पदक पक्का किया।इसके अलावा मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग में चंद्र बहादुर थापा को 5-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। वहीं, भारतीय महिला बैडमिंटन टीम पदक की दौड़ से बाहर हो गई।

चीन 50 पदक जीतने वाला पहला देश बन गया। उसने अब तक 31 स्वर्ण, 12 रजत और 7 कांस्य सहित कुल 50 पदक जीते हैं। भारत एक स्वर्ण सहित कुल 7 पदकों के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस मुकाबले में स्मृति मंधाना ने शानदार 79 रन की अर्धशतकीय पारी खेली और टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रोशिबिना देवी ने वुशु में पदक पक्का किया

भारत की रोशिबिना देवी ने महिला 69 किलोग्राम सांडा के क्वार्टर फाइनल में मकाऊ चीन की चू मैन सिन को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इसके साथ ही उनका पदक पक्का हो गया। रोशिबिना इससे पहले हांगझोउ एशियाई खेलों में रजत पदक जीत चुकी हैं।

जदुमणि ने चंद्र बहादुर थापा को हराया

भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने चंद्र बहादुर थापा को 5-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। मुकाबले में थापा को जदुमणि के जोरदार बाएं हाथ के प्रहार के बाद रेफरी की गिनती का सामना करना पड़ा।

इसके बाद थापा ने मुकाबला जारी रखा, लेकिन जदुमणि ने अपनी बढ़त बनाए रखी। भारतीय मुक्केबाज ने एक और शानदार जवाबी प्रहार किया और सर्वसम्मत फैसले से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लगातार दो बार की टी-20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम मंगलवार को 41वीं रैंकिंग वाले जापान के खिलाफ हारते-हारते बची। एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट मुकाबले शुरू होने से पहले भारत और जापान के बीच यह मुकाबला खेला गया।

जापान के सानो इंटरनेशनल ग्राउंड पर बारिश के कारण मुकाबले को 5-5 ओवर का कर दिया गया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 32 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम 5 ओवर में 3 विकेट खोकर 30 रन ही बना सकी।

एशियाई खेलः भारत बुधवार से करेगा एथलेटिक्स अभियान की शुरुआत, तजिंदरपाल, अविनाश पर नजरें

आइची-नगोया

भारत एशियाई खेलों में बुधवार से अपने एथलेटिक्स अभियान की शुरुआत करेगा। 23 से 29 सितंबर तक चलने वाली एथलेटिक्स स्पर्धाओं में अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह तूर, पारुल चौधरी और गुलवीर सिंह समेत कई भारतीय पदक दावेदार मैदान में उतरेंगे।

नीरज चोपड़ा के चोट के कारण बाहर होने से पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की चुनौती कुछ अलग होगी। उनकी जगह रोहित यादव और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता यश वीर सिंह भारतीय चुनौती संभालेंगे। रोहित ने इस सत्र में 87 मीटर से अधिक के दो शानदार थ्रो किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अगस्त में भुवनेश्वर में विश्व एथलेटिक्स कान्टिनेंटल टूर सिल्वर मीट में आया, जहां उन्होंने 87.68 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। घुटने की सर्जरी के कारण वह ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले सके थे। वहीं, तजिंदरपाल सिंह तूर की नजरें एशियाई खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतने पर होंगी।

पारुल चौधरी महिलाओं की 5000 मीटर में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करेंगी। वह 1500 मीटर और 3000 मीटर स्टीपलचेज में भी हिस्सा लेंगी। 2022 हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की 4x400 मीटर रिले टीम का हिस्सा रहे राजेश रमेश को भी टीम में जगह

मिली है।

बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी भी लंबे समय तक चोट से बाहर रहने के बाद प्रतियोगिता में वापसी करेंगी। उन्होंने 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। लंबी कूद के स्टार मुरली श्रीशंकर भी मजबूत लय के साथ एशियाई खेलों में उतरेंगे। उन्होंने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में अपना दूसरा रजत पदक जीता था।

तेजस्विन शंकर, गुलवीर सिंह, अंसी सोजन, प्रवीण चित्रवेल और विथ्या रामराज भी भारतीय टीम के प्रमुख नामों में शामिल हैं। गुलवीर सिंह ने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में 10,000 मीटर और 5,000 मीटर में दो पदक जीते थे। अंसी सोजन लंबी कूद की राष्ट्रीय रिकार्डधारी हैं, जबकि प्रवीण चित्रवेल और विथ्या रामराज भी हांगझोऊ में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं।

भारत एथलेटिक्स की 50 पदक स्पर्धाओं में से 41 में हिस्सा लेगा। पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़, चक्का फेंक, हाफ मैराथन रेस वाक, मैराथन रेस वाक और 4x100 मीटर रिले में भारत की भागीदारी नहीं होगी। महिलाओं की 100 मीटर, मैराथन, भाला फेंक और हाफ मैराथन रेस वाक स्पर्धाओं में भी भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा।

एशियाई खेलः चेतन भट्ट कांस्य पदक से चूके, चीनी ताइपे के खिलाड़ी से सेंशू के आधार पर हारे

आइची-नगोया। भारतीय कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 84 किग्रा कुमिते वर्ग में कांस्य पदक जीतने से चूक गए। मंगलवार को कांस्य पदक मुकाबले में चेतन का सामना चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। मुकाबला 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने सेंशू के आधार पर जीत दर्ज कर कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पहले चेतन को पुरुषों के 84 किग्रा कुमिते वर्ग के सेमीफाइनल में जार्डन के मोहम्मद अल-जाफरी के खिलाफ 0-8 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खिलाड़ी सेमीफाइनल मुकाबले में ज्यादा अंक हासिल नहीं कर सके, जिसके बाद उन्हें कांस्य पदक के लिए मुकाबला करना पड़ा। तैराकी में आर्यन नेहरा फाइनल बी में चौथे स्थान पर तैराकी में आर्यन नेहरा पुरुषों की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल बी में चौथे स्थान पर रहे। हालांकि, फाइनल बी में अपेक्षाकृत धीमे तैराक शामिल थे और इसका पदक मुकाबले पर कोई असर नहीं पड़ा। साफ्ट टेनिस में जय मीना की पाकिस्तान पर जीत साफ्ट टेनिस में भारत के जय मीना ने पुरुष एकल ग्रुप डी मुकाबले में पाकिस्तान के हुसैन अरैन को 4-0 से हराया। जय ने 4-2, 4-0, 4-2, 4-0 के स्कोर से मुकाबला अपने नाम किया। महिला एकल ग्रुप डी में आध्या तिवारी को थाईलैंड की एलिशा ज़िगलर के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। आध्या ने मुकाबले में 4-1, 0-4, 0-4, 2-4, 4-6 के स्कोर के साथ शुरुआत की, लेकिन लगातार चार गेम गंवाने के बाद मुकाबला हाथ से निकल गया। ग्रुप की शीर्ष टीमों को क्वार्टर फाइनल में जगह मिलेगी। ऐसे में आध्या को अगले मुकाबले में पाकिस्तान की कैनात शालवानी को हराने के साथ ही उम्मीद करनी होगी कि पाकिस्तानी खिलाड़ी ज़िगलर को भी हरा दे, तभी उनके अंतिम आठ में पहुंचने की संभावना बनेगी। सेपकटकरा में भारत को मलेशिया से मिली हार सेपकटकरा के पुरुष टीम रेगु ग्रुप बी में भारत को मलेशिया के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने दोनों गेम 9-15, 12-15 से गंवाए।

एशियाई खेल: दक्षिण कोरिया से 0-3 की हार के साथ पुरुष टेबल टेनिस टीम का अभियान खत्म

आइची-नगोया

भारत को एशियाई खेलों में मंगलवार को पुरुष टीम टेबल टेनिस के राउंड आफ 16 मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे महाद्वीपीय प्रतियोगिता में उसका अभियान समाप्त हो गया।

भारत 0-2 से पिछड़ गया था। हरमीत देसाई को जांग वूजिन ने चार गेम में 11-8, 8-11, 7-11, 9-11 से हराया। इसके बाद मनुष शाह ने विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज ओ जुनसोंग को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पांच गेम के मुकाबले में उन्हें 2-3 से हार मिली। मनुष ने तीसरा गेम 13-11 से जीतकर 2-1 की बढ़त बनाई थी और निर्णायक गेम में भी 4-1 से आगे थे।

हालांकि, ओ जुनसोंग ने वापसी करते हुए निर्णायक गेम जीत लिया। ओ ने मुकाबला 4-11, 11-8, 13-11, 11-13, 11-6 से अपने नाम किया।

भारत को मुकाबले में बनाए रखने की जिम्मेदारी मानव ठक्कर पर थी, जिनका सामना आन जेह्युन से हुआ। मानव ने तीसरा गेम 11-7 से जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन इससे पहले वह शुरुआती दो गेम 10-12, 6-11 से हार चुके थे।

आन जेह्युन ने चौथा गेम 12-10 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मानव की 10-12, 6-11, 11-7, 10-12 की हार के साथ दक्षिण कोरिया ने मुकाबला 3-0 से जीत लिया और भारत की पुरुष टीम का अभियान समाप्त हो गया।

मंगलवार को एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन मिश्रित रहा। महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि महिला बैडमिंटन टीम को क्वार्टर फाइनल में जापान के हाथों 1-3 से हार मिली।

शूटिंग में पुरुष स्कीट व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन के दूसरे दिन अनंतजीत सिंह नरूका दूसरे, मेराज अहमद खान 23वें और भवतेग सिंह गिल 35वें स्थान पर रहे।

10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम फाइनल में इलावेनिल वलरिवान और पार्थ माने चौथे स्थान पर रहे। मुक्केबाजी में साक्षी चौधरी ने महिलाओं के 51 किलोग्राम राउंड आफ 32 में फिलीपींस की आइरा विलागास को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

तलवारबाजी में तनिक्षा खत्री ने महिलाओं की व्यक्तिगत एपी राउंड आफ 32 में नटपापट सांगनगियो को हराया।

वहीं, हेमाश सिंह सनासम और सचिन पुरुष व्यक्तिगत फ्लोरेट के राउंड आफ 32 में हारकर बाहर हो गए। साफ्ट टेनिस में आर्यन ठाकुर और जय मीना ने जीत दर्ज की, जबकि आध्या तिवारी को हार का सामना करना पड़ा।

कबड्डी में भारत की पुरुष टीम ने दक्षिण कोरिया को 63-31 से हराया। सेपकटकरा में भारत को मलेशिया के हाथों 0-3 से हार मिली। तैराकी में आर्यन नेहरा पुरुषों की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल बी में चौथे स्थान पर रहे, जबकि भारत की 4x100 मीटर मेडले रिले टीम ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

वुशु में लैंगलेंटोम्बी देवी हंजाबम महिलाओं की नानछ्वान फाइनल में नौवें स्थान पर रहीं। कराटे में चेतन भट्ट और अलीशा चौधरी को हार का सामना करना पड़ा। घुड़सवारी की ड्रेसेज स्पर्धा में आशीष लिमये 13वें, अर्जन नागरा 23वें और फवाद मिर्जा 26वें स्थान पर रहे।

ई-स्पोर्ट्स में भारत की शकील दानियल पटेल और चिन्मय साहू की जोड़ी ने ग्रुप एफ में उज्बेकिस्तान के खिलाफ 0-0 से ड्रा खेला।

अक्षर की शानदार गेंदबाजी से भारत ने एकमात्र टी-20 में जापान को दो रन से हराया

सानो

अक्षर पटेल की आखिरी ओवर में शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मंगलवार को ऐतिहासिक एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जापान को दो रन से हरा दिया। पांच ओवर के इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 32 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम पांच ओवर में तीन विकेट पर 30 रन ही बना सकी।

33 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम की शुरुआत खराब रही। पारी के पहले ओवर की पांचवीं गेंद पर ईशान किशन के सटीक थ्रो ने सलामी बल्लेबाज लाचलान यामामोटो-लेक को एक रन पर रन आउट कर दिया। अगले ओवर में वाशिंगटन सुंदर ने इब्राहिम ताकाहाशी को चार रन पर आउट कर जापान को सात रन पर दूसरा झटका दिया।

इसके बाद केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग और बेंजामिन इटो-डेविस ने पारी को संभालने की कोशिश की।

दोनों ने रवि बिश्नोई के ओवर में 10 रन जुटाए और तीन ओवर के बाद जापान का स्कोर दो विकेट पर 18 रन हो गया। मेजबान टीम को अंतिम 12 गेंदों में 15 रन की जरूरत थी।

चौथे ओवर में जापान ने वाशिंगटन सुंदर के खिलाफ सात रन बनाए, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर सुंदर ने केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग को 12 रन पर आउट कर दिया।

चार ओवर के बाद जापान का स्कोर तीन विकेट पर 25 रन था और उसे आखिरी ओवर में आठ रन चाहिए थे।

इसके बाद अक्षर पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए जापान को आठ रन

नहीं बनाने दिए। जापान की टीम पांच ओवर में तीन विकेट पर 30 रन ही बना सकी और भारत ने दो रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारत की ओर से वाशिंगटन सुंदर सबसे सफल गेंदबाज रहे। सुंदर ने 2 विकेट लिए।

इससे पहले जापान के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजी क्रम को चौंकाते हुए पांच ओवर में भारत को चार विकेट पर सिर्फ 32 रन तक सीमित कर दिया। भारतीय टीम में केवल कप्तान श्रेयस अय्यर ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। उन्होंने 12 रन बनाए। अभिषेक शर्मा पहली ही गेंद पर आउट हो गए।

चार्ली हारा-हिन्जे जापान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने दो विकेट लिए। इब्राहिम ताकाहाशी को एक सफलता मिली। सैमसन धीमी बाएं हाथ की स्पिन के खिलाफ संघर्ष करते हुए पांच गेंदों पर चार रन बना सके। इसके बाद हारा-हिन्जे ने पारी की आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा को आउट किया, जो शार्ट फाइन लेग की दिशा में टाप एज दे बैठे। पहले ओवर के बाद भारत का स्कोर एक विकेट पर सात रन था।

अभिषेक का इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह सातवां गोल्डन डक रहा, जो एक कैलेंडर वर्ष में किसी बल्लेबाज के लिए सर्वाधिक है। टी20 क्रिकेट में यह उनका कुल 10वां गोल्डन डक भी रहा।

दूसरे ओवर में इब्राहिम ताकाहाशी ने संजू सैमसन को नौ रन पर आउट किया। बेंजामिन इटो-डेविस ने उनका कैच पकड़ा। भारत 1.2 ओवर में दो विकेट पर नौ रन पर था। दो ओवर के बाद भारत का स्कोर 12 रन था।

इसके बाद ईशान किशन भी तीन रन बनाकर आउट हो गए। इटो-डेविस ने शानदार कैच लेकर उन्हें पवेलियन भेजा। तीन ओवर के बाद भारत का स्कोर तीन विकेट पर 14 रन था। चौथे ओवर के बाद भारत चार विकेट पर 22 रन पर पहुंचा और कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका।

जिला परिषद उच्च विद्यालय, चल्लासमुद्रम में हिंदी क्लब का भव्य शुभारंभ

अहिंदी भाषी क्षेत्र में हिंदी के प्रचार-प्रसार का संकल्प

खम्मम, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा उनमें हिंदी भाषा के प्रति अभिरुचि जागृत करने के उद्देश्य से जिला परिषद उच्च विद्यालय, चल्लासमुद्रम में हिंदी क्लब की स्थापना की गई है। हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के परामर्शदाता श्री महेश अग्रवाल ने विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में क्लब का विधिवत शुभारंभ किया तथा क्लब के मुखपत्र का लोकार्पण किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री महेश अग्रवाल ने कहा कि अहिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस क्लब की नींव रखी गई है। उन्होंने घोषणा की कि आगामी एक वर्ष के भीतर तेलंगाना राज्य के प्रत्येक मंडल में कम से कम एक पाठशाला में हिंदी क्लब की स्थापना की जाएगी। साथ ही, सभी विद्यालयों में प्रतिवर्ष हिंदी दिवस का विशेष समारोह आयोजित किया जाएगा।

क्लब के सुचारु संचालन के लिए सक्षम कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया है। श्री शरथ बाबू को क्लब के अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा गया। उनके नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन परिवार ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि उनके मार्गदर्शन में क्लब सफलता के नए शिखर स्पर्श करेगा।

छात्र प्रतिनिधियों के रूप में दसवीं कक्षा की छात्रा एम. प्रणाथी, नौवीं कक्षा के छात्र ए. लक्ष्मीधर, आठवीं कक्षा की छात्रा एस. अक्षया तथा सातवीं कक्षा के छात्र लिकिथ को सदस्य के रूप में चयनित किया गया।

नवनियुक्त अध्यक्ष श्री शरथ बाबू ने कहा कि हिंदी हमारी पहचान, हिंदी हमारी शान तथा हिंदी का विकास, देश का विकास जैसे प्रेरणादायी नारों के साथ गठित इस क्लब का मुख्य ध्येय विद्यार्थियों में हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति देना, उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना और विविध साहित्यिक गतिविधियों के प्रति रुचि उत्पन्न करना है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के भाषाई कौशल, अभिव्यक्ति क्षमता और मंच-कौशल को निखारने के लिए कक्षा एवं विद्यालय स्तर पर वर्षभर हिंदी से संबंधित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री आकाश तलवार ने सुझाव दिया कि क्लब के माध्यम से समय-समय पर भाषण प्रतियोगिता, कविता-पाठ, कहानी-वाचन, निबंध-लेखन तथा साहित्यिक परिचर्चा का आयोजन किया जाए। उन्होंने भित्ति पत्रिका (दीवार पत्रिका) के निर्माण, सुलेख (हस्तलेखन) प्रतियोगिता, देशभक्ति गीतों तथा सांस्कृतिक नाट्य प्रस्तुतियों को भी क्लब की गतिविधियों में सम्मिलित करने पर बल दिया।इस अवसर पर सदस्य डॉ. सतीश खंडेलवाल एवं सुनील मित्तल ने कहा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर की संवाहक भी है। उन्होंने समस्त छात्र-छात्राओं से क्लब की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा, आइए, मिलकर हिंदी को आगे बढ़ाएं और अपनी गौरवशाली संस्कृति को समृद्ध करें।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री महेश अग्रवाल ने क्लब के अध्यक्ष श्री शरथ बाबू को सम्मानित किया।

4पॉइंट2 टेक्नोलॉजीस ने स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी में एआर, वीआर, एमआर, एक्सआर से अनुभव को नया आयाम दिया

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के प्रतिष्ठित आध्यात्मिक और ज्ञान केंद्र स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी के अनुभव को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए 4पॉइंट2 टेक्नोलॉजीज ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। एआर, वीआर, एमआर और एक्सआर जैसी उन्नत तकनीकों में विशेषज्ञता रखने वाली इस कंपनी ने प्रौद्योगिकी, विरासत और कहानी कहने की कला को मिलाकर पर्यटकों के लिए एक नया इंटरैक्टिव अनुभव तैयार किया है। पीढ़ियों से भारत की लोककथाएं, परंपराएं और इतिहास के किस्से दादा-दादी और माता-पिता से बच्चों तक मौखिक रूप से पहुंचते थे। आज के तेज रफ्तार जीवन में यह परंपरा कमजोर पड़ रही है। इसी कमी को पूरा करने के लिए 4पॉइंट2 टेक्नोलॉजीज ने अपने प्रमुख एआर उत्पादों के जरिए मर्चेंडाइज को डिजिटल कहानी सुनाने से जोड़ा है। इससे प्राचीन इतिहास की सही कहानियां, उनका महत्व और मूल्य आज की पीढ़ी तक पहुंच सकेंगे।

22 सितंबर 2026 को हुए लॉन्च कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एचएच त्रिदंडी चिन्न जीयर स्वामीजी रहे।

स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी 11वीं शताब्दी के संत, दार्शनिक और समाज सुधारक श्री रामानुजाचार्य को समर्पित है। 216 फीट ऊंची यह पंचलोह धातु की प्रतिमा बैठे हुए रूप में दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमाओं में से एक है। परिसर में

108 दिव्य देशम और लगभग 120 किलो सोने से बने स्वर्ण रामानुज की पूजा भी होती है।

मंदिर के कई अनुष्ठान निश्चित समय पर होते हैं, जिन्हें हर भक्त प्रत्यक्ष नहीं देख पाता। 4पॉइंट2 टेक्नोलॉजीज के वीआर दर्शन के जरिए भक्त सुबह के अनुष्ठान, अभिषेक, अलंकारम और आरती जैसे क्षणों को 360 डिग्री अनुभव में देख सकते हैं। ये अनुभव वास्तविक मंदिर वातावरण से रिकॉर्ड किए गए हैं, बिना किसी वीएफएक्स या डिजिटल बदलाव के।

कंपनी के चेयरमैन, एमडी एवं संस्थापक के. शिव कुमार ने कहा, पर्यटन अब केवल देखने तक सीमित नहीं रहा। आगंतुक यह समझना चाहते हैं कि वे जो देख रहे हैं, उसकी कहानी क्या है। एआर, वीआर, एमआर, एक्सआर हमें यह अतिरिक्त परत देने का अवसर देते हैं। स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी की कहानी अध्यात्म, दर्शन, वास्तुकला और सामाजिक सेवा से जुड़ी है। हमारा उद्देश्य भौतिक अनुभव को बदलना नहीं, बल्कि उसे और समृद्ध बनाना है। यह पहल भारतीय विरासत पर्यटन को युवा और डिजिटल पीढ़ी से जोड़ने का एक नया उदाहरण बन गई है।

तपस्वी वीणाबेन तातेड का बहुमान, निकला भव्य वरघोड़ा

सिद्धितप आराधना पूर्ण करने पर समाजजनों ने दी बधाई एवं मंगलकामनाएं

तेनाली, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेनाली में सिद्धितप आराधना पूर्ण करने वाली तपस्वी वीणाबेन तातेड के सम्मान में उनका बहुमान किया गया। इस अवसर पर भव्य वरघोड़ा भी निकाला गया। कार्यक्रम में समाजजनों ने तपस्वी वीणाबेन तातेड की तपस्या की अनुमोदना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

इस अवसर पर रमेश पी. तातेड ने बताया कि पिंटू, कलावतीदेवी, करणराजजी तातेड सहित श्रीमती गुणवंतीबेन पुखराजजी तातेड परिवार, सिरोही एवं सम्माननीय सदस्य उपस्थित रहे। तातेड परिवार ने अभिनंदन सागर म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

रमेश पी. तातेड ने बताया कि खुशबूबेन-सनी तथा सरलाबेन-निरंजन बाफना परिवार, सिरोही-सिकंदराबाद को भी सभी समाजजनों ने हर्षपूर्वक हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

जायडेक्स ने पेश की 145 साल पुरानी सिलिकेट पेंट तकनीक

जयपुर, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नोवोटेल जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 23वें 'आर्केशिया फोरम 2026' में जायडेक्स पेंट्स एंड वॉटरप्रूफिंग ने 145 साल पुरानी सिलिकेट मिनरल पेंट तकनीक का प्रदर्शन किया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स द्वारा आयोजित सम्मेलन में 24 एशियाई देशों के 3,000 से अधिक वास्तुकार शामिल हुए। जायडेक्स के मुख्य परिचालन अधिकारी अमरेंद्र मिश्रा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में भवनों के टिकाऊपन और सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि सिलिकेट मिनरल तकनीक भवनों के अग्रभाग की आयु बढ़ाने में सहायक है। आर्केशिया 2026 के निर्वाचित अध्यक्ष वास्तुकार तुषार सोगानी ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय निर्माण सामग्री को आधुनिक डिजाइन से जोड़ना है।

दिव्यांग बच्चों के भविष्य में अभिभावकों की भूमिका अहम

निजामाबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारुति नगर में स्नेहा सोसाइटी फॉर रूरल रिकंस्ट्रक्शन द्वारा मानसिक दिव्यांग बच्चों के विद्यालय के अभिभावकों की बैठक आयोजित की गई।

मुख्य अतिथि मनोचिकित्सक डॉ. इन्नामुरी रवि तेजा ने कहा कि बच्चों के भविष्य को संवारने में अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने बच्चों की समस्याओं को पहचानकर समय पर आवश्यक सहायता देने तथा व्यवहार में सुधार के लिए उचित मार्गदर्शन करने की सलाह दी। बैठक में विद्यालय के लिए नई स्थानीय परियोजना समिति का चुनाव किया गया। ब्रह्मानंद रेड्डी को अध्यक्ष, राम सुजान को उपाध्यक्ष, इंद्राणी को शिक्षक संयोजक तथा भाग्य लक्ष्मी एवं ब्रह्मय्या को सदस्य चुना गया। समिति का कार्यकाल दो वर्ष रहेगा।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्या एस. ज्योति, राजेश्वरी सहित अभिभावक उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

समझौता करो...

मिलकर काम कर रहा है और यह संघर्ष उम्मीद से कहीं अधिक तेजी से सुलझा लिया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका और वे-नेजुएला के बीच 65 अरब बैरल तेल को लेकर इतिहास का सबसे बड़ा समझौता हुआ है, जिससे दुनिया भर में ऊर्जा की कीमतें कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ एक अभूतपूर्व समझौते का उल्लेख किया, जिसके तहत अमेरिका को ग्रीनलैंड में दो बड़े सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति मिलने की बात कही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की आलोचना की और सदस्य देशों से इस संस्था को छोड़ने का आग्रह किया।

उन्होंने यह भी बताया कि 2026 में संयुक्त राष्ट्र के बजट में 15 प्रतिशत की कटौती की गई है, जिससे नौकरशाही के 4,000 से अधिक पद समाप्त हुए हैं। संबोधन के दौरान उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को विफल राष्ट्र करार दिया और दावा किया कि वहां जल्द ही स्वतंत्रता आएगी। इसके विरोध में क्यूबाई प्रतिनिधिमंडल ने सभा का बहिष्कार किया। अपने संबोधन के अंत में ट्रंप ने दुनिया भर के देशों से एकजुट होकर वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और दुनिया को अधिक सुरक्षित बनाने का आह्वान किया।

मुंबई में सड़कों...

साक्षात्कार के दौरान हमला किया गया। 3 सितंबर को तिलक रोड पर एक समाचार चैनल से बातचीत के दौरान बापट को एक व्यक्ति ने थप्पड़ मारा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने मामले में कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बापट गणेशोत्सव और अन्य सार्वजनिक आयोजनों में तेज आवाज वाले डीजे, लाउडस्पीकर तथा ढोल-ताशों के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। उनका कहना है कि उनका विरोध गणेशोत्सव से नहीं, बल्कि अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण से है।

हमले के बाद यह विवाद और व्यापक हो गया। बापट के समर्थन में नागरिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किए, जबकि ध्वनि व्यवस्था से जुड़े कारोबारियों और गणेश मंडलों से जुड़े लोगों ने भी अपनी आपत्तियां सामने रखीं। इस पूरे घटनाक्रम ने पुणे में त्योहार, नागरिक अधिकार और ध्वनि प्रदूषण के बीच संतुलन को लेकर बहस तेज कर दी।

पुणे की अलग जनहित याचिका पर 5 अक्टूबर को सुनवाई

पुणे में ध्वनि प्रदूषण और गणेशोत्सव के दौरान ऊंची आवाज वाले डीजे तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल को लेकर एक अलग जनहित याचिका भी बॉम्बे हाई कोर्ट में दाखिल की गई है। इसमें ध्वनि प्रदूषण संबंधी पुराने न्यायिक निर्देशों और नियमों को प्रभावी, समयबद्ध तरीके से लागू करने तथा ध्वनि स्तर की निगरानी के लिए स्वतंत्र एजेंसी की व्यवस्था करने की मांग की गई है। इस याचिका पर सुनवाई 5 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।

गणेशोत्सव महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान

महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेशोत्सव की आधुनिक परंपरा को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक से जोड़ा जाता है। समय के साथ यह उत्सव धार्मिक आयोजन के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक एकजुटता का भी माध्यम बना। ढोल-ताशे और पारंपरिक वाद्य इसकी सार्वजनिक उत्सव परंपरा का हिस्सा रहे हैं।

हालांकि पिछले वर्षों में ऊंची आवाज वाले डीजे, ध्वनि विस्तारक यंत्रों और देर रात तक चलने वाले कार्यक्रमों को लेकर ध्वनि प्रदूषण की शिकायतें बढ़ी हैं। नागरिकों का एक वर्ग इन्हें बुजुर्गों, मरीजों, विद्यार्थियों और अन्य लोगों के लिए परेशानी का कारण बताता रहा है। पुणे में विद्यानंद बापट द्वारा उठाए गए मुद्दे और उनके साथ हुई मारपीट ने इस बहस को और प्रमुख बना दिया।

विपक्ष और विभिन्न संगठनों ने भी रखी अपनी बात

ध्वनि प्रदूषण के मुद्दे पर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की ओर से भी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने डीजे की तेज आवाज को लेकर सरकार की आलोचना की थी और कहा था कि इस संबंध में निर्णय लेने में देरी हो रही है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने भी ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों के सख्त पालन की मांग की थी।वहीं, विश्व हिंदू परिषद की ओर से प्रशासन की कार्रवाई को लेकर आपत्ति जताते हुए यह आरोप लगाया गया था कि कार्रवाई का असर हिंदू त्योहारों पर अधिक पड़ रहा है।इन अलग-अलग प्रतिक्रियाओं के बीच अदालत का मौजूदा रुख यह है कि धार्मिक उत्सवों पर रोक लगाना उद्देश्य नहीं है, बल्कि मौजूदा कानूनों और ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना जरूरी है।

कार्तिक -ममूटी...

उन्होंने कहा कि पेट पालने के लिए उन्होंने अभिनय शुरू किया और इसके बाद पांच वर्षों में 50 नाटकों में काम किया।

अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में मिले अवसर

अनंत नाग ने कहा कि अपने अभिनय जीवन के अंतिम 50 वर्षों में उन्हें कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम करने के लिए बुलाया गया। उन्होंने दूसरी भाषाओं की भी फिल्में कीं, लेकिन कर्नाटक और कन्नड़ फिल्मों में उन्हें सबसे बड़े अवसर मिले।

एमडीआर शुल्क...

पेट्रोल पंप संचालकों का दावा है कि उनके यहां 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन की संख्या काफी है। यदि प्रत्येक ऐसे लेनदेन पर पांच रुपये का निश्चित शुल्क लगाया जाता है तो इससे उनके पहले से सीमित लाभ पर सीधा असर पड़ेगा।

हाल ही में यूनाइटेड पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (यूपीडीए) ने केंद्रीय वित्त मंत्री, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर तथा नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) को पत्र भेजा है। एसोसिएशन ने ईंधन आउटलेट्स को किसी भी प्रकार के डिजिटल भुगतान शुल्क से मुक्त रखने की मांग की है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत और डीलर कमीशन निर्धारित

एसोसिएशन के अध्यक्ष निश्चल सिंघानिया समेत अन्य पदाधिकारियों ने ज्ञापन में कहा है कि पेट्रोल और डीजल आवश्यक वस्तुएं हैं। इनकी बिक्री दरें और डीलरों का कमीशन प्रति लीटर के आधार पर सरकार तथा तेल विपणन कंपनियों द्वारा निर्धारित किया जाता है।डीलरों के पास अपनी बिक्री दर बढ़ाने या किसी अतिरिक्त लागत की भरपाई के लिए अपने मार्जिन में बदलाव करने का अधिकार नहीं होता। ऐसे में प्रस्तावित एमडीआर शुल्क का अतिरिक्त बोझ सीधे उनके लाभ को प्रभावित कर सकता है।

एसोसिएशन ने कहा है कि एमडीआर का बोझ तेल कंपनियों पर स्थानांतरित करना भी उचित समाधान नहीं होगा। डीलरों ने पूर्व में कार्ड भुगतान के दौरान सामने आई समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भुगतान निपटान में देरी, अस्पष्ट कटौतियां और बिक्री केंद्रों पर कार्ड भुगतान मशीनों के किराये जैसी परेशानियां पहले भी सामने आती रही हैं।

धार्मिक कारणों से ...

जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने 1986 के बिजो इमैनुअल बनाम केरल सरकार मामले में तय सिद्धांतों का उल्लेख किया। उस मामले में तीन छात्रों ने अपने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाया था, हालांकि वे राष्ट्रगान के दौरान सम्मानपूर्वक खड़े रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने तब उनके खिलाफ की गई कार्रवाई को रद्द करते हुए कहा था कि केवल राष्ट्रगान न गाने के आधार पर उन्हें दंडित नहीं किया जा सकता। वंदे मातरम मामले में भी अदालत ने इसी सिद्धांत को ध्यान में रखने की बात कही है।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और टी.एम. कृष्णा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एस. मुरलीधर के बीच तीखी बहस भी हुई। संविधान के तहत निर्णय लेने की प्रक्रिया पर मुरलीधर की दलील के जवाब में मेहता ने 'नक्सली' शब्द का इस्तेमाल किया।

मुरलीधर: अभी आपने जिस शब्द का इस्तेमाल किया है, उसे वापस लें। यह कार्यवाही लाइव चल रही है। मैं इसका कड़ा विरोध करता हूं।

मेहता: मैंने कहा कि यही संवैधानिक तरीका है, न कि वह तरीका जो नक्सली चाहता है। मुझे इसका कोई अफसोस नहीं है।

मुरलीधर: किसी बात पर विचार करना नक्सली होना नहीं है।

इसके बाद न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि किसी व्यक्ति पर आतंकवादी होने का आरोप हो, तब भी संविधान के तहत उसके अधिकार बने रहते हैं।

24 जनवरी 1950 को संविधान सभा की बैठक में वंदे मातरम के राष्ट्रीय महत्व को स्वीकार किया गया था। लंबे समय तक वंदे मातरम के गायन में जानबूझकर बाधा डालने के लिए 1971 के राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण कानून में अलग से प्रावधान नहीं था। 2026 में किए गए संशोधन के बाद अब राष्ट्रीय गीत को भी कानून के तहत वही वैधानिक संरक्षण मिला है, जो राष्ट्रगान को प्राप्त है।

संशोधित कानून के तहत वंदे मातरम के गायन को जानबूझकर रोकना या गायन में लगे समूह में बाधा डालना दंडनीय है। दोषी पाए जाने पर तीन वर्ष तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। दूसरी और उसके बाद की दोषसिद्धि के लिए कम से कम एक वर्ष की सजा का प्रावधान भी है।

गृह मंत्रालय ने 9 जुलाई को सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' के गायन एवं वादन को लेकर नए निर्देश जारी किए थे। इनमें दोनों के सही बोल, उच्चारण और निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा गया था। याचिका में इन निर्देशों के तहत सभी छह अंतरों के गायन को लेकर भी आपत्ति जताई गई है।

निर्देशों के मुताबिक, यदि किसी कार्यक्रम में वंदे मातरम और जन गण मन दोनों गाए या बजाए जाते हैं तो पहले वंदे मातरम और उसके बाद राष्ट्रगान होगा। यदि किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का अपना राज्य गीत भी है तो पहले राज्य गीत, उसके बाद वंदे मातरम और अंत में जन गण मन होगा।

मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई जारी है और केंद्र के जवाब के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 23 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 22 सितंबर, 2026 को हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन किया गया। वंदेमातम गीत एवं भाकृअनुप गान के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके समारोह के शुभारंभ की घोषणा की। डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा बताया कि यह समारोह हर वर्ग को एक मंच पर एकत्र करने का एक सुअवसर है।

इस अवसर पर श्री पी शिवप्रसाद, प्रशासनिक अधिकारी तथा श्री शेख रूकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी ने क्रमशः श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के संदेश तथा डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अपील का वाचन किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संपूर्ण विश्व में हिंदी के बढ़ते प्रभुत्व के बारे में बताया। इसके अलावा उन्होंने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित की जा रही विभिन्न प्रतियोगिताओं (टिप्पण एवं आलेखन, अनुवाद, हिंदी पाठवाचन, प्रश्नमंच आदि) तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की।

डॉ. सी तारा सत्यवती ने इस अवसर पर संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई तथा अपने संबोधन में उन्होंने संस्थान के अधिकारियों को हिंदी चेतना मास समारोह के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी का विकास, अन्य भारतीय भाषाओं के विकास में बाधक नहीं, अपितु साधक है। इस संस्थान में हमने हिंदी में हस्ताक्षर एवं टिप्पण लेखन हेतु आदेश भी जारी किया है तथा सभी को निदेश दिए गए हैं की वे इस समारोह के दौरान अनिवार्य रूप से हिंदी में कार्य करें। राजभाषा कार्यान्वयन केवल औपचारिकताभर नहीं, बल्कि हमारा सांविधानिक दायित्व है। हमारे छोटे-छोटे प्रयास ही हमारी दिशा तय करते हैं।

अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के बाद समारोह का समापन हुआ। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय तथा संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

अग्रवाल समाज की सदस्यता अभियान समिति की पहली बैठक आयोजित

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सदस्यता अभियान समिति की पहली बैठक समाज कार्यालय राघव रत्ना टावर में आयोजित की गई। समाज के मीडिया एवं प्रचार-प्रसार के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का शुभारंभ भगवान गणेशजी की पूजा एवं आरती के साथ हुआ। इसके बाद चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज की सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में प्रथम चरण में 10 हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इसके लिए समिति की ओर से शहर के बड़े व्यावसायिक परिसरों में जाकर वहां के लोगों को समाज की सदस्यता दिलाने, साथ ही घर-घर जाकर सदस्य बनाने की योजना पर चर्चा की गई।

सदस्यता अभियान के तहत समाज द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को भी समाज से जोड़ने पर जोर दिया गया। इनमें इंडक्शन चूल्हा वितरण, एकल नारी पेंशन, शिक्षा सहायता, राशन किट वितरण तथा श्रीशैलम की धार्मिक यात्रा में शामिल सभी लाभार्थियों के परिवार के सदस्यों को समाज का सदस्य बनाना शामिल है।

बैठक में घर-घर जाकर सदस्य बनाने के साथ-साथ अन्य माध्यमों से भी सदस्य संख्या बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई। नीरज केडिया ने ऑनलाइन सदस्य बनने की सुविधा को लेकर अपना सुझाव दिया तथा इसे लागू करने के लिए सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा दिए गए विभिन्न सुझावों के आधार पर समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि 10 हजार अतिरिक्त सदस्यों को शीघ्रातिशीघ्र समाज से जोड़ा जाएगा। सदस्यों ने सदस्यता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाने तथा अधिक से अधिक लोगों को समाज की गतिविधियों और योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया। बैठक में चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष उमाशंकर गोयंका, मुकेश कुमार केडिया, नीरज केडिया तथा डॉ. सरिता गर्ग उपस्थित रहीं।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के सदस्यों ने साझा किए अपने जीवन के अनुभव

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर – भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में दिनांक 22 सितंबर 2026 को 'अविस्मरणीय स्मृतियों के झरोखे से' प्रतियोगिता आयोजित की गई । इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं निर्णायक के रुप में डॉ. प्रोमिला, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (इफ्लू), हैदराबाद आमंत्रित थीं। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक, के. रवि कुमार ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि वर्तमान समय में लोग आभासी दुनिया में अधिक समय बीता रहे हैं। अपने साथ रह रहे लोगों से वार्तालाप काफी कम हो गया है। रिल्स, मोबाइल में आवश्यकता से अधिक समय देने पर जहां तनाव बढ़ता है, वहीं साथ के लोगों से बातें साझा करने से रिश्ते में मधुरता आती है और दिल का बोझ भी हल्का होता है।

संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने इसमें दिल खोलकर अपनी खट्टी-मीठी यादें साझा कीं। इनके अनुभव सीख देनेवाले थे। कई लोगों के संघर्षों के अनुभव प्रेरित करनेवाले थे। लोगों ने अपनी यादों में अपने माता-पिता, भाई-बहन, गुरु-शिष्य, बंधु-बांधव कई रिश्तों को याद किया। उनकी यादें मार्मिकता, मनोरंजन, शिक्षा से ओत-प्रोत थे। इस अवसर पर संस्थान के हिंदी अधिकारी, डॉ. सौरभ कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन जहां हिंदी में बोलने की हमारी हिचक को तोड़ते हैं, वहीं इन कार्यक्रमों के आकर्षण से लोग खींचे चले आते हैं।

आयोजन की मुख्य अतिथि डॉ. प्रोमिला ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर पारंपरिक प्रतियोगिताएँ करायी जाती हैं, जो कि प्राय: नीरस होती हैं। अपनी बात, अपनी यादें साझा करने का अवसर प्रदान करनेवाली ऐसी प्रतियोगिताएँ लोगों को एक-दूसरे से सीखने का अवसर देती हैं। मुझे बेहद खुशी हुई कि एक वैज्ञानिक संस्थान में भाषा पर इस तरह की नयी पहल हो रही है। उन्होंने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि लोगों ने अपने गुरु को याद किया और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। पेशे से गुरु के रुप में मैं यह कहना चाहती हूँ कि गुरु दो प्रकार के होते हैं। सतगुरु आपको उत्कृष्टता की ओर ले जाते हैं। वहीं अच्छा गुरु नहीं मिल पाने पर आप गहरे कुएं में डूब सकते हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने कबीर के दोहे 'गुरु गोविन्द दोउ खड़े, काके लागूं पाउं' और 'जाके गुरु अंधला, चेला खरा निरंध' की सुंदर समीक्षा की।

कार्यक्रम के संचालक श्री आदर्श कुमार, हिंदी अनुवादक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

गुरु भगवंतों की गुरु वंदना संपन्न

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विभिन्न जैन संस्थाओं के पदाधिकारियों ने त्रयनगर में विराजित पूज्य जैन गुरु भगवंतों के पर्युषण महापर्व के समापन पर संवत्सरी क्षमापना निमित्त गुरु वंदना कार्यक्रम का आयोजन किया।

आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की सहमंत्री सुश्री तोरल जागीरदार ने बताया कि प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन, शासन दीप संस्था, जैन माइनोरिटी कौंसिल, श्री अजीत पार्श्व जैन युवा संगठन, जैन संस्कार मंच, जैन फॉर जैन आदि संस्थाओं के पदाधिकारियों ने फीलखाना स्थित महावीर भवन में चातुर्मास विराजित क्रांतिकारी जैन आचार्य पूज्य श्री विमलसागर सूरीश्वरजी म.सा. एवं श्री पद्मविमलसागरजी महाराज साहब तथा बरकतपुरा स्थित श्री संभवनाथ कुशल प्रार्थना जैन मंदिर में पधारे खरतर गच्छाधिपति पूज्य आचार्य श्री जिनमणिप्रभसुरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वंदन किए तथा गुरु भगवंतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूज्य विमलसागरजी म.सा. ने पधारे गुरु भक्तों को मांगलिक प्रदान किया तथा हमेशा श्रावक कर्तव्य का पालन करने, गुरुदेवों द्वारा बताए गए सत्य मार्ग पर चलने एवं उनका अनुसरण करने की शिक्षा दी।

इस अवसर पर रिद्धिश जागीरदार, मुकेश जैन चौहान, सीए निर्मल सिंघवी, अशोक गांधी, डॉ. घीसुलाल जैन, किशोर संचेटी, योगेश झाबक, वीरेन शाह, जयेश शाह, मनीष शाह, जगदीश शाह आदि भक्त उपस्थित थे।

जल झूलनी एकादशी का आध्यात्मिक संदेश : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में जल झूलनी एकादशी के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और सेवा का भाव देखने को मिला। इस अवसर पर श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने जल झूलनी एकादशी के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सनातन संस्कृति में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है और जल झूलनी एकादशी भगवान विष्णु की आराधना तथा भक्ति-भाव को समर्पित पवित्र पर्व है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि जल झूलनी एकादशी का पर्व हमें भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा, भक्ति, संयम और समर्पण का संदेश देता है। इस अवसर पर भगवान विष्णु के वामन स्वरूप की पूजा-अर्चना की परंपरा रही है। अनेक स्थानों पर भगवान की प्रतिमा को जल के समीप ले जाकर विशेष पूजा की जाती है, इसी कारण इस एकादशी को जल झूलनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह पर्व सनातन परंपरा में प्रकृति, जल और ईश्वर के प्रति श्रद्धा का सुंदर संदेश भी देता है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, सुरेश सिंघल, जगन गुप्ता, नंदगोपाल, जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने जल झूलनी एकादशी के पावन अवसर पर अन्नसेवा में सहभागिता करते हुए सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया ।

भजन जामिंग का आयोजन

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्नेहांजली लेडिज क्लब एवं समृद्धि लेडिज क्लब की महिला समिति की ओर से राधाष्टमी के पावन अवसर पर भजन जामिंग कार्यक्रम का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया। बेगमपेट स्थित वेंकट हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 110 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायिका श्रुति राठी ने अपनी सुमधुर एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों से उपस्थित महिलाओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। राधा-कृष्ण के भजनों की मधुर धुनों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और सभी महिलाएं भक्ति रस में डूब गईं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, उत्साह और आनंद का सुंदर संगम देखने को मिला।

इस अवसर पर महिला समिति की पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वंदना राठी, नैना माहेश्वरी, प्रीति, रश्मि सोमानी, कल्पना धूत, पूजा बोरा, श्रुति राठी, कोमल राठी, वर्षा राठी एवं अमिता तुलस्यन सहित सभी सहयोगियों का कार्यक्रम की सफलता में पूर्ण सहयोग रहा।

अब बेटी पढ़ाओ से ज्यादा महत्वपूर्ण है बेटी बचाओ : विमलसागरसूरीश्वर जी महाराज

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी महाराज ने कहा कि हम महिला सशक्तिकरण की कितनी ही बातें करें, लेकिन सबसे पहले हिंदू और जैन समाज को अपनी बहन-बेटियों को बचाना बहुत आवश्यक है। देश में गर्भपात भले ही कम हुए हैं और बेटियों को बहुत पढ़ाया भी जा रहा है, लेकिन उनके जीवन को सुरक्षित रखने के उपाय भी समय रहते ढूंढने पड़ेंगे। अब बेटी पढ़ाओ से ज्यादा महत्वपूर्ण बेटी बचाओ है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में जैन और हिंदू कन्याएं धर्म तथा संस्कृति से दूर जा रही हैं। उनकी स्वच्छंद मानसिकता में धर्म, संस्कृति, इतिहास और परंपरा का कोई महत्व नहीं है। अविवाहित रहने, बहुत देरी से विवाह करने अथवा बिना विवाह के साथ रहने जैसे विचार आधुनिक कन्याओं में पनपने लगे हैं। उनके अनुसार, ये दूषण भारतीय सांस्कृतिक, सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था को पूरी तरह छिन्न-भिन्न कर देंगे।महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में जैनाचार्य ने यह बात कही।

जानी-मानी वक्ता एवं भारतीय महिला जागरण के लिए कार्य कर रहीं काजल हिंदुस्तानी ने कहा कि लव जिहाद, लैंड जिहाद तथा धर्मांतरण को रोककर ही हम अपने समाज, धर्म और राष्ट्र की रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कभी भारतीय महान नारियों ने अपने शील की रक्षा के लिए जौहर कर जीवन का बलिदान दिया था और दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि आज की बहन-बेटियां अपना गौरव नीलाम कर रही हैं, सिर्फ रील बनाने में। उन्होंने सवाल किया कि हम पद्मिनी, पन्नाधाय, लक्ष्मीबाई, अबक्का, अतिमम्बे और चेन्नम्मा जैसी नारीरत्नों से कब प्रेरणा लेंगे?

राजस्थान के प्रसिद्ध खाटू श्याम धाम में बाबा श्याम के दर्शन करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी। इस अवसर पर उन्होंने बाबा श्याम के दरबार में पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं परिवार के मंगल की प्रार्थना की। मान्यता है कि खाटू श्याम बाबा अपने भक्तों की श्रद्धा और भक्ति से प्रसन्न होकर उन पर कृपा बरसाते हैं। बाबा श्याम के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा।

शिवप्रताप मदनगोपाल बंग परिवार, कबूतरखाना द्वारा वृंदावन धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत श्रीगोपाल बंग के जन्मदिवस के अवसर पर महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग-संतोष बंग, लक्ष्मीनारायण-शकुंतला राठी, गोपालदास-संतोष राठी, गीता देवी राठी, उमेश-श्रीकांता बंग एवं अन्य उपस्थित रहे।

रिम्स के नवजात वार्ड में शॉर्ट सर्किट से हड़कंप, धुएं से मची अफरा-तफरी तीन नवजातों की मौत, 22 बच्चों को चिकित्सा निगरानी में रखा गया

स्वास्थ्य मंत्री ने किया निरीक्षण, 150 बेड की नई सुविधा के निर्माण के निर्देश

आदिलाबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिलाबाद के रिम्स अस्पताल की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में सोमवार आधी रात एसी में शॉर्ट सर्किट होने से अचानक धुआं भर गया। घटना के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। वार्ड में मौजूद मरीजों के परिजन घबराकर अपने बच्चों और सामान को लेकर अस्पताल परिसर से बाहर निकल आए।बताया गया कि एसी इकाई में विद्युत खराबी के बाद आग और धुआं फैलने लगा। अस्पताल के कर्मचारियों, दमकल कर्मियों और अन्य टीमों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घटना के बाद कई नवजातों को दूसरे अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया। इस घटना में दो नवजातों की मौत की भी पुष्टि हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। हादसे के कारणों और संभावित सुरक्षा चूक की जांच के आदेश दिए गए हैं।

रिम्स हादसे की कलेक्टर ने दी जानकारी

रिम्स अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में सोमवार रात करीब 11:40 बजे आग लगने की घटना हुई। जिला कलेक्टर राजर्षि शाह ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। कलेक्टर के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए वार्ड में भर्ती बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

घटना के समय एसएनसीयू वार्ड में कुल 24 बच्चे मौजूद थे। इनमें से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि बाकी 22 बच्चों को बेहतर इलाज के लिए चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। प्रशासन ने घटना के कारणों और सुरक्षा व्यवस्था की जांच के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल बच्चों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

रिम्स अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में हुई आगजनी की घटना को लेकर निदेशक राठौड़ जयसिंह ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसएनसीयू में एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण धुआं फैलने से यह हादसा हुआ। घटना के तुरंत बाद ड्यूटी डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों और विभागाध्यक्ष ने मिलकर वार्ड में भर्ती नवजात शिशुओं को सुरक्षित बाहर निकाला।

हालांकि, वेंटिलेटर पर इलाज करा रहे कम वजन वाले दो नवजात शिशुओं की दुर्भाग्यवश मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन और अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाए।

स्वास्थ्य मंत्री ने रिम्स पहुंचकर लिया जायजा

रिम्स अस्पताल की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में सोमवार रात हुए अग्निकांड के बाद स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने मंगलवार को अस्पताल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। मंत्री ने अग्निकांड के बाद चलाए गए बचाव एवं राहत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से एसएनसीयू में उपचाराधीन शिशुओं को सुरक्षित रूप से अन्य वार्डों में स्थानांतरित किए जाने की जानकारी ली।

इस दौरान मंत्री ने अस्पताल में भर्ती शिशुओं और बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में चिकित्सकों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने डॉक्टरों को बच्चों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने और उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

अग्निकांड से चिंतित बच्चों के परिजनों से भी मंत्री ने मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ है तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री ने रिम्स अस्पताल में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, आपात स्थिति के दौरान उठाए गए कदमों और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक उपायों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा की।समीक्षा बैठक में स्थानीय विधायक पायल शंकर, स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव क्रिस्टिना जेड. चोंग्तु, जिला कलेक्टर राजर्षि शाह, जिला पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन, रिम्स निदेशक जयसिंह राठौड़ समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।मंत्री ने कहा कि शिशुओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और इसके लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि रिम्स अस्पताल में मरीजों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 150 बेड की नई सुविधा का निर्माण किया जाएगा। इस संबंध में मंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।नई व्यवस्था से अस्पताल में मरीजों के लिए अतिरिक्त बेड उपलब्ध होंगे, जिससे इलाज के लिए आने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। अस्पताल की मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं और संसाधनों को भी बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

कठिन समय में कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े रहे प्रेमसागर राव : मंत्री श्रीधर बाबू

मंचेरियाल, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस पार्टी जब विपक्ष में थी और कठिन दौर से गुजर रही थी, तब संयुक्त जिले के लिए मुख्य नेता के रूप में मजबूती से खड़े रहने वाले व्यक्ति मंचेरियाल विधायक कोक्कीराला प्रेमसागर राव हैं। यह बात राज्य के मंत्री श्रीधर बाबू ने कही।

सोमवार को मंचेरियाल के विधायक कोक्कीराला प्रेमसागर राव का जन्मदिन स्थानीय पद्मनायक कल्याण मंडप में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के मंत्री श्रीधर बाबू, पेद्दापल्ली के विधायक अद्लूरी लक्ष्मण कुमार, पेद्दापल्ली के विधायक विजयरमना राव तथा रामागुंडम के विधायक माखन सिंह ठाकुर शामिल हुए। उन्होंने विधायक प्रेमसागर राव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और केक खिलाकर बधाई दी।

22ए समस्या के समाधान का आश्वासन

इस अवसर पर मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि जनता की भलाई के बारे में सोचने वाले विधायक प्रेमसागर राव को जनता के साथ-साथ ईश्वर का आशीर्वाद भी प्राप्त है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंचेरियाल की 22ए समस्या के संबंध में विधायक ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री श्रीनिवास रेड्डी के साथ बातचीत की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस मामले में किसी को भी परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

जन्मदिन के उपलक्ष्य में विधायक प्रेमसागर राव ने मंचेरियाल के जिला परिषद बालक उच्च विद्यालय में सुबह विद्यार्थियों की उपस्थिति में केक काटा। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाना वे अपना सौभाग्य मानते हैं। इसके बाद अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए गए। इस दौरान राजू, साहिद, श्रीनिवास, वेंकटेश्वरलू, नागभूषणम आदि उपस्थित रहे।

हम मानसिक पीड़ा महसूस कर रहे हैं : विधायक

विधायक प्रेमसागर राव ने कहा कि संयुक्त राज्य के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्रीपाद राव की प्रेरणा से उन्होंने राजनीति में प्रवेश किया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा किया जा रहा है और जल्द ही सिंगरेणी क्षेत्र के पात्र लोगों को पट्टे दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में अनेक बाधाओं के बावजूद मंथनी, रामागुंडम, धर्मपुरी और पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवार को जिताया गया। यदि वे हाथ पीछे खींच लेते तो उम्मीदवार की जमानत भी जब्त हो जाती।

एक शाम श्री बाबा रामदेवजी के नाम, 15वां विशाल जागरण आयोजित

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के अलवाल, मच्छा बोलाराम स्थित श्री बाबा रामदेवजी मंदिर में श्री बाबा रामदेवजी नवयुवक मित्र मंडल, अलवाल के तत्वावधान में 'एक शाम श्री बाबा रामदेवजी के नाम' 15वें विशाल जागरण का आयोजन किया गया।

जारी विज्ञप्ति में अध्यक्ष महेन्द्र सिंह सीरवी, नेमिचंद गोयल, पारसनाथ चौहान एवं पूरणमल कच्छावा ने बताया कि सोमवार सुबह 9 बजे फूल-माला एवं विद्युत सजावट से मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया।

सायंकाल पूजा-अर्चना एवं श्री बाबा रामदेवजी की आरती के बाद जागरण का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर गणेश वंदना की प्रस्तुति के साथ किया गया।

भजन गायक दीपक नारलाई ने जागरण की शुरुआत की। राजस्थान की प्रसिद्ध भजन गायिका अनिता जांगिड़ ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुतियों पर देर रात तक भक्त झूमते रहे। भजन संध्या में बाबा रामदेवजी एवं वीर तेजाजी महाराज की महिमा का बखान करते हुए भजन प्रस्तुत किए गए। देर रात तक भक्ति की सरिता बहती रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं अतिथियों के रूप में कांग्रेस नेता जितेन्द्र नाथ, लक्ष्मीकांत रेड्डी, सियाराम महाराज, बिरमदेव जोशी, सी.आई. अलवाल श्री ए. प्रशांत, अरुण डाकोतिया, मंदिर अध्यक्ष महेन्द्रसिंह ठाकुर, गज्जुभाई कोलरिया, सोहनलाल राजपुरोहित, जाट समाज अध्यक्ष दुदाराम बाबल, पारसमल सैन, मदनलाल रावल, अमरनाथ, मंदिर पुजारी कुलदीप तिवारी, शांतिलाल सुथार, हनुमत धनवा, टीवी सुरेश, उदय भास्कर, हुक्माराम सानपुरा, गुलाब सिंह राजपुरोहित, राजुराम चोयल, हनुमान सिणग, अचलाराम हाम्बड़, कैलाश कांगर, धन्नाराम जाखड़, सोहनलाल, भोमसा सीरवी, सुरेश चोयल, राकेश मालविया, पत्रकार प्रेम प्रजापति तथा सर्व समाज के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हरिहोम यूट्यूब चैनल एवं हरिहोम साउंड द्वारा किया गया। लाइव कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया। महाअ-ारती के पश्चात मंडल अध्यक्ष महेन्द्रसिंह पितावत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवा गतिविधियों को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा राज्य कार्यालय, नामपल्ली में विभिन्न जिला प्रभारियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने की। बैठक में मुख्य रूप से 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत एक माह के दौरान स्वास्थ्य शिविरों एवं विभिन्न सेवा गतिविधियों के आयोजन पर चर्चा की गई।

इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में सेवा गतिविधियों का आयोजन करने के लिए प्रत्येक सदस्य को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में सरदार जगमोहन सिंह, शेख शाहजहां, जसपाल सिंह टूटेजा, गुरुचरण सिंह, शमी खान, सतीश जैन, मोहम्मद गजनी, सतपाल सिंह छाबड़ा, गुरुप्रीत सिंह, रिदा कुद्दोस, रंजीत सिंह, भगिंदर सिंह, शाहबाज अली, सुमित माखीजा, साईदुलु, फरनाज सुल्ताना, नसीर, जुबिदा बेगम, दर्शन सिंह, अवाइस मिर्जा, दिनेश वासवानी, मुकेश जैन चौहान, चंदना जैन एवं अन्य उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के साथ दीपचंद अग्रवाल ने नैना देवी की पुण्य स्मृति में की अन्नसेवा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने स्वर्गीय श्रीमती नैना देवी अग्रवाल की तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी पुण्य स्मृति में अन्नदान, प्रसाद वितरण एवं गौ सेवा कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वर्गीय नैना देवी अग्रवाल के धर्मपति श्री दीपचंद अग्रवाल एवं परिवार की ओर से अन्नसेवा कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर दीपचंद अग्रवाल ने कहा कि अपने प्रियजन की पुण्य स्मृति में सेवा कार्य करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देने का माध्यम है। स्वर्गीय नैना देवी अग्रवाल की तीसरी पुण्यतिथि पर अन्नदान एवं गौ सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा करने का अवसर परिवार के लिए भावुक और संतोष का विषय है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन का वितरण नहीं, बल्कि मानवता और करुणा की सेवा है। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान एवं गौ सेवा के कार्य समाज में सेवा, संस्कार और सहयोग की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रसाद वितरित किया गया तथा गौशाला में गौ सेवा की गई। उपस्थित श्रद्धालुओं ने स्वर्गीय नैना देवी अग्रवाल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर दीपचंद अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए स्वर्गीय नैना देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति को नमन किया।

ग्राम संघ पदाधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

मदनूर, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल फेडरेशन कार्यालय में ग्राम संघ अध्यक्षों एवं सदस्यों के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के राज्य संसाधन व्यक्ति वाई. रमादेवी और ओ. कविता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण में आगामी पांच वर्षों के लिए संघों की कार्ययोजना, लक्ष्य निर्धारण एवं रणनीति तैयार करने के साथ गांवों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं पर समूह चर्चा की गई। कार्यक्रम में आईकेपी सहायक परियोजना प्रबंधक जगदीश कुमार सहित विभिन्न गांवों के ग्राम परिषद प्रतिनिधि एवं सहायक उपस्थित रहे।

आईसीएआर-आईआईएमआर ने बाजरा (श्री अन्न) पर प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया

हैदराबाद, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईएमआर), हैदराबाद ने 21 सितंबर 2026 को बाजरा (श्री अन्न) पर प्रौद्योगिकी दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संस्थान की उन्नत बाजरा किस्मों की तकनीकें, बाजरा आधारित खाद्य तकनीकें तथा उन्नत अनुसंधान सुविधाओं को उद्योग भागीदारों और अन्य हितधारकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में बीज उद्योग, स्टार्ट-अप और अन्य हितधारकों के 20 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्हें बाजरा तकनीकों, उन्नत अनुसंधान अवसंरचना तथा सहयोग और व्यावसायीकरण के अवसरों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

संस्थान की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती ने उद्योगों, स्टार्ट-अप और अन्य हितधारकों के साथ अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास तथा उन्नत बाजरा तकनीकों के व्यावसायीकरण के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्थान की उन्नत सुविधाएं जैसे फेनोमिक्स, स्पीड ब्रीडिंग, टिश्यू कल्चर, जीनोम अनुक्रमण, जीनोम संपादन और रोग जांच नर्सरी सहयोगी अनुसंधान तथा विश्लेषणात्मक सेवाओं के अवसर प्रदान करेंगी। उन्होंने सशुल्क सेवा के आधार पर उन्नत जैव-रासायनिक विश्लेषण सुविधाओं की उपलब्धता का भी उल्लेख किया और अनुसंधान तथा उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की अपील की।

तकनीकी प्रस्तुतियों में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बी. अमसिद्ध ने विभिन्न बाजरा फसलों की उन्नत किस्मों और संकरों पर जानकारी दी। डॉ. टी. नेपोलियन ने न्यूट्री-जीनोमिक्स सुविधा और उन्नत फेनोमिक्स अनुसंधान परिसर के बारे में बताया। डॉ. आर. वेंकटेश्वरुलु ने जैव-रासायनिक और पोषण विश्लेषण सेवाओं पर प्रकाश डाला तथा डॉ. जे. स्टेनली ने न्यूट्रीहब, आईसीएआर-आईआईएमआर में विकसित और मानकीकृत बाजरा प्रसंस्करण मशीनरी तथा मूल्य-वर्धित खाद्य तकनीकों के बारे में जानकारी दी। क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को अनाज, चारा, मीठी और उच्च बायोमास प्रकार की उन्नत व अधिक उपज देने वाली किस्मों, संकरों तथा अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) परीक्षण पाइपलाइन में मौजूद उन्नत प्रजनन लाइनों से परिचित कराया गया। संबंधित प्रौद्योगिकी विकासकर्ताओं ने उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बातचीत भी की।प्रतिभागियों ने उन्नत फेनोमिक्स सुविधाओं का भी दौरा किया, जहां उन्हें हाइपरस्पेक्ट्रल कैमरों से सुसज्जित उच्च-थ्रूपुट फेनोमिक्स, नियंत्रित पर्यावरणीय परिस्थितियों वाली स्पीड ब्रीडिंग, टिश्यू कल्चर, जीनोम संपादन तथा रोग जांच सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। न्यूट्री-जीनोमिक्स और जैव-रसायन प्रयोगशालाओं का भी प्रदर्शन किया गया, जिनमें उच्च-स्तरीय सीक्वेंसर, रियल-टाइम पीसीआर/क्यू-पीसीआर, एक्स-रे फ्लोरेसेंस (एक्सआरएफ), इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी (आईसीपी-ओईएस), हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी) तथा स्वचालित आहार फाइबर विश्लेषण प्रणाली जैसी उन्नत उपकरण मौजूद हैं। मूल्य संवर्धन और कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के दौरे में बाजरा आधारित खाद्य उत्पाद विकास, पोषण गुणवत्ता व शेल्फ-लाइफ विश्लेषण तथा प्रति घंटे 1-2 टन क्षमता वाली प्राथमिक व द्वितीयक प्रसंस्करण मशीनरी और आधुनिक पैकेजिंग प्रणालियों का अनुभव कराया गया।कार्यक्रम का समापन वैज्ञानिकों और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं, अनुसंधान अंतरालों तथा सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा हुई।

जनगणना में 'आदिवासी धर्म' दर्ज कराने की अपील

किनवट, 22 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री एडवोकेट शिवाजीराव मोघे ने कहा कि आदिवासी समुदाय की स्वतंत्र ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं संवैधानिक पहचान को मजबूत करने के लिए आगामी जनगणना में 'आदिवासी धर्म' को स्पष्ट रूप से दर्ज कराना आवश्यक है।

वे किनवट के एन.के. गार्डन में आदिवासी विकास परिषद, नांदेड द्वारा आयोजित तीसरी आदिवासी धर्म चिंतन परिषद एवं क्षेत्र बंधन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 'वनवासी' के स्थान पर 'आदिवासी' शब्द का उपयोग किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में खानापुर विधायक वेडमा भोजू पटेल ने तेलंगाना में आदिवासी धर्म संहिता को लेकर सभी दलों के आदिवासी नेताओं की व्यापक बैठक आयोजित करने की घोषणा की। बिरसा क्रांति दल के संस्थापक दशरथ मडावी ने भी जनगणना में आदिवासी धर्म के लिए पहल करने की बात कही। कार्यक्रम में राम भैय्या चव्हाण, संभाजी सरकुंडे, डॉ. संतोष टारपे, डॉ. सतीश पाचपुते, नंदिनी टारपे सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

हजारों आदिवासी समुदाय के सदस्यों ने हाथ उठाकर जनगणना में 'आदिवासी धर्म' के नाम से पंजीकरण सहित तीन प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.